▪ ज्येष्ठ शुक्ल - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 320 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 18-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल, आदित्य को ईवीएम संबंधी खबर पर आधारित टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए : निरुपम

6 भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

7 आखिर क्यों 7 साल तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहीं जया भट्टाचार्य?

फर्स्ट टेक

चालक ने पटरी पर दस शेर देखकर मालगाड़ी रोकी

भावनगर/भाषा। गुजरात के अमरेली जिले में पीपावाव बंदरगाह के पास एक मालगाड़ी के चालक ने सोमवार तड़के पटरियों पर दस शेरों को देखकर आपातकालीन ब्रेक लगा उनकी जान बचाई। एक रेलवे अधिकारी ने यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) के भावनगर खंड की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह घटना तब हुई जब मुकेश कुमार मीणा पीपावाव बंदरगाह स्टेशन से साइडिंग (मुख्य गलियारे के बगल में एक छोटा ट्रैक) तक मालगाड़ी का संचालन कर रहे थे। विज्ञप्ति में कहा गया है, मीणा ने जैसे ही दस शेरों को पटरी पर आराम करते देखा उन्होंने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। उन्होंने तब तक इंतजार किया जब तक शेर उठकर पटरी से दूर नहीं चले गए। इसके बाद उन्होंने ट्रेन को उसके गंतव्य तक पहुंचाया।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पांच माओवादी ढेर

चाईबासा/भाषा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में सोमवार को तड़के सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत कम से कम पांच माओवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह मुठभेड़ झारखंड की राजधानी रांची से करीब 200 किलोमीटर दूर गुआ पुलिस थाना क्षेत्र के लिपुंगा इलाके के पास सुबह करीब पांच बजे शुरू हुई। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता और महानिरीक्षक (अभियान) अमोल वी होमकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मुठभेड़ के बाद अब तक दो महिलाओं समेत पांच माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। इसके अलावा दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि सुबह चार शव बरामद किये गये, जबकि एक महिला माओवादी का शव बाद में तलाशी अभियान के दौरान बरामद किया गया।

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपीन के नौसैनिक जहाज टकराए

बीजिंग/मनीला/भाषा। विवादित दक्षिण चीन सागर में अपने दावों को स्थापित करने के लिए चीन-फिलीपीन टकराव ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया जब उनके नौसैनिक जहाजों के बीच पहली बार टकराव हुआ। बीजिंग द्वारा विदेशी जहाजों के खिलाफ कार्रवाई करने और चीनी जल क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन करने के संदेह में विदेशियों को हिरासत में लेने के लिए नए नियम जारी करने के बाद यह पहली ऐसी घटना हुई। चीन दक्षिण चीन सागर (एससीएस) के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, हालांकि फिलीपीन, मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और ताइवान भी उस पर हक जताते हैं जिसे लेकर क्षेत्र में गहरा विवाद है।

18-06-2024 सूर्यास्त 6:47 बजे	सूर्योदय 19-06-2024 5:54 बजे
BSE 76,992.77 (+181.88)	NSE 23,465.60 (+66.70)
सोना 7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 91,100 रु. प्रति किलो

पॉक्सो मामले में सीआईडी ने की येड्डीयुरप्पा से तीन घंटे तक पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में आपराधिक अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येड्डीयुरप्पा से 'यौन अपराधों से बच्चों का सरंक्षण'(पॉक्सो) कानून के तहत उनके खिलाफ दर्ज एक मामले के संबंध में सोमवार को तीन घंटे तक पूछताछ की।

येड्डीयुरप्पा सीआईडी की टीम के समक्ष पेश हुए, जिसने उन्हें मामले के संबंध में पूछताछ के लिए बुलाया था।

सीआईडी के एक अधिकारी ने कहा, ''उनसे तीन घंटे तक पूछताछ की गई।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 14 मार्च को दर्ज मामले के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी थी।

पुलिस के मुताबिक, 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत के आधार पर येड्डीयुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि इस साल दो फरवरी को येड्डीयुरप्पा ने यहां डॉलर कॉलोनी में अपने आवास पर मुलाकात के दौरान उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी।

येड्डीयुरप्पा (81) ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि जनता ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी, जो उनके खिलाफ साजिश रचने में शामिल हैं।

पीड़िता के भाई ने पिछले सप्ताह अदालत में एक याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि मुकदमा दर्ज करने के बाद तीन महीने का वक्त बीत चुका है लेकिन जांच में किसी प्रकार की कोई प्रगति नहीं हुई।

रियासी में बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए करेगी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में एक बस पर हुए आतंकी हमले की जांच सोमवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में नौ जून को तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस शिव खोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी। इसी दौरान पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास आतंकियों ने हमला कर दिया और 53 सीट वाली बस गोलीबारी के बाद गहरी खाई में गिर गई। बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्री सवार थे। इस घटना में तीन महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हुई थी और 41 लोग घायल हुए थे। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में नौ जून को एक बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा किए जाने के एक दिन बाद एनआईए को मामले की जांच सौंपने का यह निर्णय लिया गया। यह बैठक रियासी जिले में बस पर हुए आतंकी हमले और केंद्र शासित प्रदेश में कुछ अन्य आतंकी घटनाओं के मद्देनजर बुलाई गई थी। आतंकवादियों ने 11 जून को भद्रवाह के चट्टरगल्ला में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की।

'रेल दुर्घटना के लिए मोदी सरकार का कुप्रबंधन जिम्मेदार'

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि इसके लिए मोदी सरकार का कूप्रबंधन जिम्मेदार है। खरगे ने सोमवार को यहां जारी संदेश में कहा कि दुर्घटना में पीड़ित लोगों और परिजनों को तत्काल मुआवजा दिया जाना चाहिए और उनको चिकित्सा मदद उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कंचनजंगा एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दुर्घटना ग्रस्त होना और उसमें लोगों का हताहत होना दुखद है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में कांग्रेस पार्टी पीड़ितों के साथ है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 साल में मोदी सरकार के अधीन रेल मंत्रालय में कुप्रबंधन रहा है।

कंचनजंघा एक्सप्रेस को मालगाड़ी ने पीछे से मारी टक्कर

नौ लोगों की मौत, 41 से अधिक लोग हुए घायल

- यह दुर्घटना रेलवे अधिकारियों की ओर से सिग्नल की अनदेखी के कारण हुई।
- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राहत कार्यों का जायजा लिया और घायलों और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यू जलपाईगुड़ी/कोलकाता/नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार सुबह एक मालगाड़ी के पीछे से टक्कर मारने के कारण सियालदह जाने वाली कंचनजंघा एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि मृतकों में मालगाड़ी का चालक और यात्री ट्रेन का गार्ड शामिल है।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कुछ स्थानीय खबरों में मृतकों की संख्या 15 बताई गई है। अधिकारी ने बताया कि यह टक्कर न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से 30 किमी दूर रंगापानी स्टेशन के पास हुई। उन्होंने कहा कि सुबह 8.55 बजे मालगाड़ी के इंजन के टक्कर मारने पर कंचनजंघा एक्सप्रेस के पीछे के चार डिब्बे पटरी से उतर गए।

दुर्घटना के तुरंत बाद, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि टक्कर इसलिए हुई क्योंकि मालगाड़ी ने सिग्नल की अनदेखी की। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बड़े वाहनों के आवागमन के लिए सड़क संकरी होने के कारण रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कुछ दूरी तक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने राहत कार्यों का जायजा लिया और घायलों और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

वैष्णव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे, गंभीर रूप से घायलों को ढाई-ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से चोटिल लोगों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।'' वैष्णव ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और कहा कि उन परिस्थितियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपाय किए जाएंगे जिनके कारण दुर्घटना हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर ट्रेन परिचालन बहाल करना रेलवे के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने सुबह 8:55 बजे दुर्घटना के तुरंत बाद दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''यह टक्कर इसलिए हुई क्योंकि मालगाड़ी ने सिग्नल की अनदेखी की और कंचनजंघा एक्सप्रेस से टकरा गई जो अगरतला से सियालदह जा रही थी।''

> X
>
>
>
> पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''
>
> – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मणिपुर में हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक में दिया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि केन्द्र सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राज्य में हिंसा की कोई और घटना न हो तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्रीय पुलिस बलों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जानी चाहिए। शाह ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा के बाद यह भी निर्देश दिया कि हिंसा करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए और केन्द्र सरकार आवश्यकता पड़ने पर इससे भी ज्यादा केंद्रीय पुलिस बलों को भेजने के लिए तैयार है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने राहत शिविरों की स्थिति, विशेष रूप से भोजन, पानी, दवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उचित उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा उनके पुनर्वास का निर्देश दिया।

गृह मंत्री ने मौजूदा जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय जल्द से जल्द दोनों समूहों, मैतेई और कुकी से बात करेगी ताकि दोनों समुदायों के बीच की खाई को पाटा जा सके। केन्द्र सरकार राज्य में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने में मणिपुर सरकार का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही है।

राहुल ने वायनाड सीट छोड़ी, वहां से प्रियंका लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने की सोमवार को घोषणा की और कहा कि वहां से पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर पार्टी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, गांधी, श्रीमती वाड्रा और पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल उपस्थित थे।

गांधी ने पार्टी अध्यक्ष खरगे और श्रीमती वाड्रा की उपस्थिति में मीडिया के समक्ष यह घोषणा करते हुए कहा कि उनके लिए यह निर्णय कोई आसान निर्णय नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका रायबरेली और वायनाड दोनों निर्वाचन क्षेत्र से भावानात्मक रिश्ता है और वह वायनाड का दौरा करते रहेंगे। श्रीमती वाड्रा ने इस निर्णय पर खुशी जतायी है।

गांधी 18वीं लोकसभा के चुनाव में उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड सीट, दोनों जगहों पर चुनाव लड़े थे और दोनों सीटों पर विजयी हुए। नियम के अनुसार किसी व्यक्ति को एक समय में लोकसभा में किसी एक सीट का ही प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है।

कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को खत्म करने की सोमवार को मांग करते हुए सरकार से सशस्त्र बलों में पहले की तरह स्थायी भर्ती शुरू करने का आग्रह किया। दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें आ रही हैं जिसमें सेना के आंतरिक सर्वेक्षण में अग्निपथ योजना से जुड़ी कई खामियां बताई जा रही हैं और कई तरह के सुझाव सामने आए हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत का नारा

सारा हिंदुस्तान एक है,
ना अलगावी धारा है।
घाटी वालों का भी सुख-दुख,
हम सबने स्वीकारा है।
बदलेगा सबकुछ अब ऐसा,
मन में भाव विचारा है।
अब कश्मीर बनेगा जन्नत,
ये भारत का नारा है।।

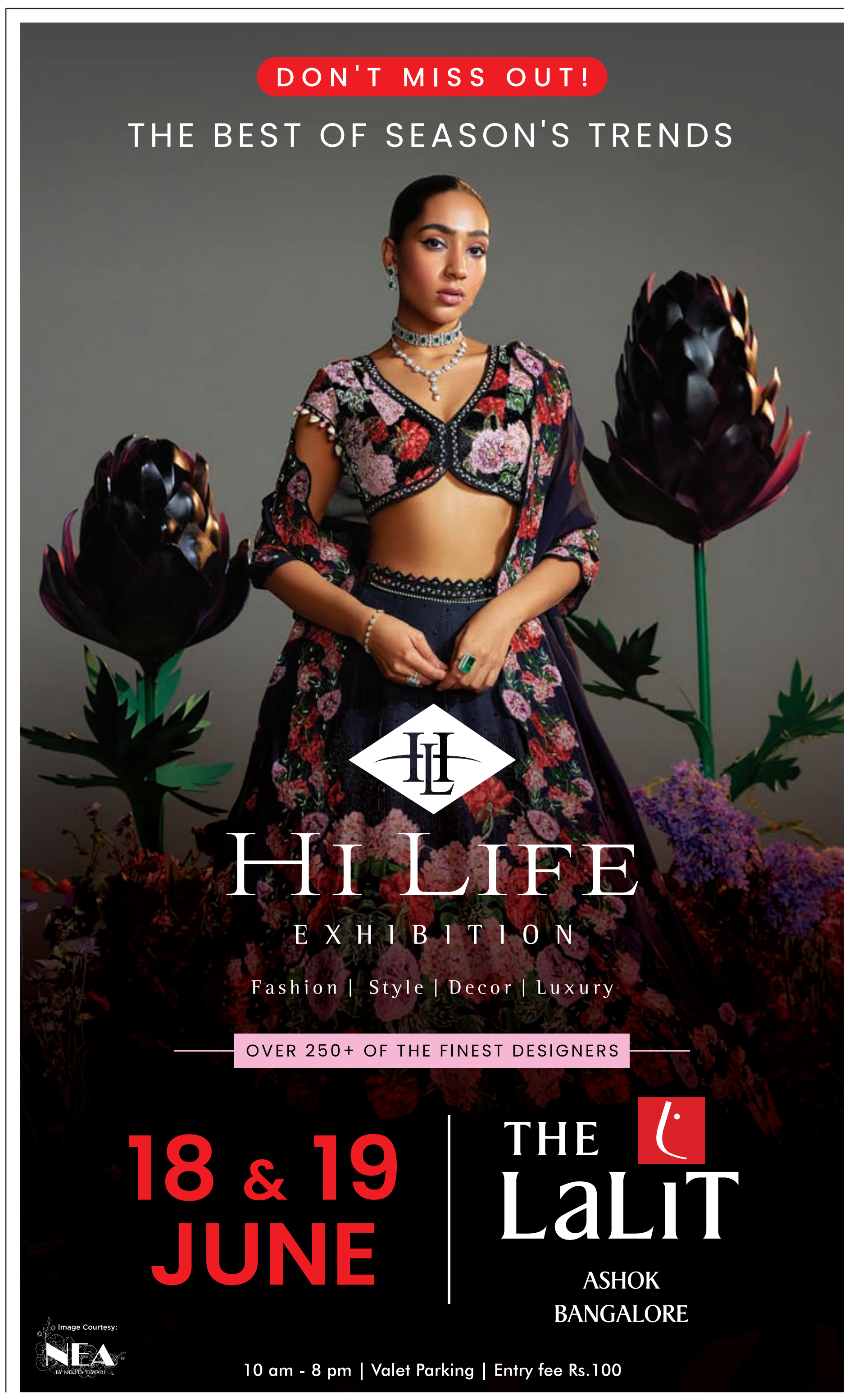

वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा लग्गेरे स्थित सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत एवं संस्था के सदस्य धन्यवाद

हनुमंतनगर जैन गुरुकुल के बच्चों ने तत्वज्ञान पर आधारित प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित जैन गुरुकुल में बच्चों द्वारा 24 तीर्थंकर भगवान एवं 25 बोल तत्व ज्ञान पर आधारित जैन प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक बालक बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ अपने बनाए जैन मॉडल का प्रदर्शन करते हुए अपने बनाए मॉडल के बारे में प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को विस्तार से समझाया। प्रथम बार जैन गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा इस तरह की जैन मॉडल फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जैन मॉडल प्रदर्शनी का उद्घाटन लाभार्थी परिवार महावीरचंद विशालकुमार धारीवाल परिवार ने किया।

प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी में विशेष प्रदर्शन करने पर पायल जैन, गुंजन जैन, पूजा दक, विशेष जैन, कृपा जैन और चाहत जैन को प्रशस्ति मेडल देकर लाभार्थी परिवार एवं हनुमंत नगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी एवं संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने विजेताओं का सम्मान किया। साथ में मॉडल प्रदर्शनी बनाने वाले सभी बच्चों का भी प्रोत्साहन देकर सम्मान किया गया।

मॉडल प्रदर्शनी के आयोजन में हनुमंतनगर जैन युवक मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी, संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका, कोषाध्यक्ष धनराज मुथा, उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड, हुक्मीचंद बाफना, धनपत धारीवाल, सह मंत्री संजय सिंघवी, ट्रस्ट के मंत्री उत्तमचंद बोहरा, सज्जनराज रुणवाल, राजेश बाफना, सुभाष छाजेड़ ,सुनील बोहरा, गुरुकुल चेयरमैन लतेश लोढ़ा आदि हनुमंत नगर संघ के अनेक पदाधिकारी गण के साथ महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बलिया, मंत्री संगीता धोका आदि समाज के अनेक व्यक्ति मौजूद थे। हनुमंतनगर युवक मंडल के अध्यक्ष शीतल रांका, युवा मंत्री किशोर बाफना एवं उनकी पूरी युवा टीम ने उपस्थित रहकर व्यवस्था संभाली।

तेरापंथ महिला विजयनगर के 'श्री उत्सव' में गूंजा महिला सशक्तिकरण का नारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महिलाओं के सशक्तिकरण स्वावलंबन विकास एवं आत्मविश्वास संवर्धन के उद्देश्य को लेकर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 'श्री उत्सव-एक कदम स्वावलंबन की ओर' दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन अर्हम भवन,विजयनगर में किया गया। इस श्रीउत्सव का उद्घाटन एवं बैनर का अनावरण प्रायोजक कटारिया परिवार की ओर से मधु-कशिश कटारिया ने किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रमरत संयोजिका मनीषा घोषल एवं सह संयोजिका मेघना हिरण तथा कार्यरत अपनी पूरी टीम के प्रति आभार ज्ञापित किया। मंत्री दीपिका गोखरू ने मंडल की गतिविधियों के बारे में बताया तथा अगस्त महीने में होने वाले दक्षिणांचल कन्या अधिवेशन की जानकारी प्रदान की। दो दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में रंग-बिरंगे वस्त्र, आभूषण, हस्त निर्मित कलाकृतियां, राखियां, दैनिक आवश्यकता के सामान, लजीज व्यंजन आदि के 50 से अधिक स्टॉल सजाए गए हैं, जिसमें दोनों दिन में लगभग 1450 लोगों ने इसका अवलोकन कियातथा महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीददारी की।उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने अनेक मनोरंजनात्मक एक्टिविटी कराई व लकी ड्रा निकाला गया। अखिल भारतीय तेमम से मधु कटारिया, विजयनगर मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली, पूर्व अध्यक्ष कुसुम डांगी, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर आदि ने प्रदर्शनी की सराहना की। संचालन संयोजिका मनीषा घोषल ने तथा आभार ज्ञापन सह संयोजिका मेघना हिरण ने किया।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा : मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने आनंद सबके लिए के अंतर्गत निर्जल एकादशी के उपलक्ष्य में विल्सन गार्डन में 12 सौ राहगीरों के लिए ठंडे मिल्क शेक का वितरण किया। शाखा अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, उपाध्यक्ष सुशील सैनी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कार्यक्रम आयोजक विनोद गर्ग, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने मानव सेवी कार्य में श्रम दिया।

स्थानकवासी महासंघ ने लिए अनेक महत्त्वपूर्ण सामाजिक निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीरा बाग संघ में स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु की कार्यकारिणी सभा में महासंघ अध्यक्ष भीकमचन्द सकलेचा ने कहा कि संघ और समाज की आवश्यकता की पूर्ति के लिए महासंघ का निर्माण हुआ हैं। सभी संघों को एक माला में पिरो कर संयुक्त रूप से आम जन हित कार्य करना समय की आवश्यकता है और खुले विचारों के साथ क्रियान्वयन से हम आवश्यक सुधार की भूमिका बना सकते हैं।

महासंघ के महामंत्री अभयकुमार बांठिया ने महासंघ की ओर से प्रस्ताव रखे कि धार्मिक आयोजनों में गौतम प्रसादी के आइटम 11तक सीमित रखे जाएं और सचित सलाद का उपयोग न हो। चातुर्मास प्रवेश जुलूस में वाद्य यंत्रों का उपयोग न हो और सादगी से महापुरुषों का प्रवेश कराया जाए। प्रवचन सभा में नृत्य आयोजन न हो और समय की पाबंदी रहे। चातुर्मास में ज्ञानार्जन पर जोर हो और प्रतिक्रमण सीखने वालों का सार्वजनिक सम्मान किया जाए। यह भी प्रस्ताव रखा कि जैन आगमों का जुलूस नहीं निकाला जाए तथा स्वागत सत्कार शब्दों से ही किया जाए।

इन प्रस्तावित प्रस्तावों पर पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए रिकबचंद मेहता, अमरचंद गुंदेचा, कन्हैयालाल सुराणा, नेमीचन्द भंसाली, अशोक रांका, अशोक बांठिया, ज्ञानचंद लोढा, दीपचंद भंसाली, सुमेर सिंह, महेंद्र मुणोत, किशोर दलाल ने अपने विचार रखे और महासंघ के प्रस्तावों को सही सामयिक और आवश्यक बताया। उपस्थित सभी जनों ने महासंघ के प्रस्तावों का समर्थन किया। नवयुवकों के लिए भी कार्यशाला की आवश्यकता महसूस की गई।

चातुर्मास को लेकर मंजूनाथनगर संघ ने की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर, शिवनगर के सदस्यों ने कोलर स्थित जैन स्थानक में विराजित संतश्री वीरेन्द्रमुनिजी के दर्शन वंदन का लाभ लिया।

सदस्यों ने संतश्री से मंजूनाथनगर जैन भवन में घोषित चातुर्मास सम्बन्धी चर्चा की एवं 7 जुलाई को होने वाले भव्यतिभ्व्य चातुर्मास प्रवेश की रूपरेखा रखी । सदस्यों ने कोलर के आराधना भवन में विराजित साध्वीश्री पावननिधिश्रीजी, यशोनिधिश्रीजी आदि के भी दर्शन किए। इस मौक़े पर संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा, कोषाध्यक्ष रेखराज सांडबोहरा, सहमंत्री सुरेश बाघमार, उत्तमचन्द लोढ़ा, अंकित आच्छा एवं अन्य श्रद्धालु मौजूद थे ।

महालक्ष्मी रॉयल्स टीम बनी केपीएल क्रिकेट टूर्नामेन्ट विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दि कर्नाटका पेपर मर्चेंट्स स्टेशनर्स एसोसिएशन का केपीएल 2 क्रिकेट टूर्नामेंट रविवार को एचएमटी मैदान में संपन्न हुआ। अध्यक्ष श्री विनोद नेनावत ने सबका स्वागत किया। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया जिसमे विजेता महालक्ष्मी रॉयल्स और उपविजेता एनजीसी टाइटंस रही। मुख्य प्रायोजक बालाजी पेपर एजेंसीज के मधुसूदन बल्दवा ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की । उपसचिव हुलाश कुमार व कोषाध्यक्ष रमेश सालेचा सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। उपाध्यक्ष और स्पोर्ट्स चेयरमैन प्रवीण लुंकड़ ने सबको धन्यवाद दिया। सचिव विक्रम श्रीमाल ने मंच संचालन किया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पोलावरम परियोजना स्थल का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोलावरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को पोलावरम परियोजना स्थल का दौरा कर कार्यों और परियोजना की स्थिति की समीक्षा की।

चौथी बार पदभार ग्रहण करने के बाद यह पहली बार है जब मुख्यमंत्री नायडू इस स्थल का दौरा कर रहे हैं।

नायडू दोपहर 12 बजे पोलावरम परियोजना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ जल संसाधन मंत्री एन रामानायडू और अन्य लोग भी थे। मुख्यमंत्री ने परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों ने उन्हें विस्तार से जानकारी दी।

पोलावरम परियोजना एलूरु जिले के पोलावरम मंडलम में रामय्यापेटा गांव के पास गोदावरी नदी पर है जो कोव्वूरु-राजमंदुरी सड़क-सह-रेल पुल से लगभग 34 किमी ऊपर की ओर स्थित है। पोलावरम परियोजना प्राधिकरण (पीपीए) के अनुसार बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना का उद्देश्य 4.3 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करना, 960 मेगावाट जलविद्युत उत्पादन करना तथा 611 गांवों के लगभग 30 लाख लोगों को पेयजल की आपूर्ति करना है।

केंद्र अवश्य ही पोलावरम परियोजना के लिए सहयोग करेगा : आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख

अमरावती/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश इकाई की प्रमुख डी पुरंदेश्वरी ने सोमवार को कहा कि अगर राज्य सरकार अनुरोध करती है तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नीत केंद्र सरकार पोलावरम परियोजना के लिए तत्काल सहयोग करेगा।

पुरंदेश्वरी ने एक स्थानीय समाचार चैनल से बातचीत के दौरान परियोजना की मौजूदा स्थिति के लिए वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, अगर राज्य सरकार अनुरोध करती है तो केंद्र सरकार अवश्य ही तत्काल सहयोग करेगी। आंध्र प्रदेश की राजग सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू कर रहे हैं। राज्य में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा), भाजपा और जनसेना, राजग के घटक दल हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के अनुसार जब इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था तब से केंद्र सरकार इस परियोजना के लिए अपना सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा, हो सकता है कि बिल जमा करने में देरी हुई हो लेकिन एक बार बिल जमा हो जाने के बाद तुरंत राशि जारी कर दी जाती है। लेकिन बिल को उचित प्रारूप में केंद्र को जमा करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान यह परियोजना आगे नहीं बढ़ी और यह पूर्ववर्ती सरकार की इसके प्रति उदासीनता को दर्शाता है।

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए 'असुविधाजनक निर्णय' लेने की जरूरत : सुनीता

नई दिल्ली/भाषा। देश की जानी-मानी पर्यावरणविद सुनीता नारायण ने कहा कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए 'असहज और असुविधाजनक' निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति, खासकर अमीर लोगों के प्रति अच्छे बने रहकर इस लक्ष्य को नहीं प्राप्त किया जा सकता जो इस समस्या के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। नारायण ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए हैं जिनमें कोयला जलाने पर पाबंदी और बीएस-छह ईंधन का इस्तेमाल शामिल है।

दिल्ली में जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में जल संकट भाजपा द्वारा ''जानबूझकर उत्पन्न किया गया'' है।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने भाजपा पर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। इन आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि प्यासे को पानी पिलाने से ज्यादा पुण्य का काम नहीं होता और पानी रोकने से बड़ा कोई पाप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले कई दिनों से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित जल संकट है। जब मैं कह रहा हूं कि यह भाजपा द्वारा प्रायोजित जल संकट है, तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि भाजपा के लोग चाहते हैं कि दिल्ली के लोगों को पानी न मिले और इसके लिए भाजपा के लोग हरसंभव कोशिश कर रहे हैं कि कैसे भी करके दिल्ली में जल संकट हो। दिल्ली को हरियाणा से पानी मिलता है और जब भाजपा शासित राज्य आवश्यक पानी नहीं देता है तो पानी की कमी हो जाती है।

दिल्ली जल संकट : भाजपा का 'आप' सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं और सांसदों ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजधानी में जल संकट के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ शहर भर में प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदर्शनकारियों ने गंदे पानी की बोतलें लेकर 'आप' सरकार के खिलाफ नारे लगाए और राष्ट्रीय राजधानी में पानी की किल्लत के विरोध में मटके फोड़े।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि नलों से गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होने के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गीता कॉलोनी में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए दावा किया कि हरियाणा, दिल्ली के हिस्से का पूरा पानी यमुना में छोड़ रहा है। सचदेवा ने आरोप लगाया, दिल्ली में आने के बाद पानी को टैंकर माफिया चुरा लेते हैं क्योंकि सत्तारूढ़ 'आप' के मंत्री और विधायक उनके साथ मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की दिल्ली इकाई 'आप' सरकार के खिलाफ तब तक प्रदर्शन जारी रखेगी जब तक लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि 'आप' पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है लेकिन जनता को गंदा पानी पीने के लिए मिल रहा है।

एयर इंडिया ने यात्री के खाने में 'ब्लेड' जैसी धातु मिलने की घटना की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया के एक यात्री को बेंगलूरु-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के दौरान भोजन में कथित तौर पर ब्लेड जैसी धातु का टुकड़ा मिलने की घटना के एक सप्ताह बाद एयरलाइन ने सोमवार को खाने में 'ऐसी वस्तु' होने की पुष्टि की है, जो भोजन का हिस्सा नहीं थी। एयरलाइन ने बयान में कहा कि यह वस्तु उसके खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से आई थी।

एयर इंडिया के मुख्य उपभोक्ता अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने बयान में कहा, एयरलाइन इस बात की पुष्टि करती है कि हमारे एक विमान में सवार यात्री के भोजन में कोई ऐसी वस्तु पाई गई जो भोजन का हिस्सा नहीं थी। जांच के बाद पता चला कि यह वस्तु हमारे खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से उसमें आई।

यात्री के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भोजन में 'ब्लेड' जैसी धातु की वस्तु होने की जानकारी साझा करने के बाद एयरलाइन ने जांच शुरू की।

यात्री मैथर्स पॉल पेशे से एक पत्रकार हैं। उन्होंने कहा, एयर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट में एक धातु का टुकड़ा छिपा हुआ था जो 'ब्लेड' जैसा दिख रहा था। मुझे इसका अहसास कुछ सेकंड तक खाने को चबाने के बाद ही हुआ। शुक्र है कि कोई नुकसान नहीं हुआ।

हुंदै की भविष्य में चार ईवी मॉडल उतारने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने आने वाले समय में चार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल उतारने की योजना बनाई है जिनमें लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा का बिजलीचालित संस्करण भी शामिल होगा। हुंदै मोटर इंडिया ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की मंजूरी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दायर दस्तावेजों के मसौदे में यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में ही कंपनी क्रेटा का ईवी संस्करण लेकर आ सकती है।

कर्नाटक में भाजपा ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ईंधन पर 'बिक्री कर' बढ़ा दिया, जिससे पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी हो जाएगी। बिक्री कर बढ़ाने से राज्य में पेट्रोल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। भाजपा द्वारा हर जिलों के पार्टी कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया।

बेंगलूरु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के जनविरोधी रुख के खिलाफ किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल के बढ़े दामों का असर राज्य के हर क्षेत्र पर सीधे पड़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि पांच गारंटियों के कारण राज्य सरकार पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। इसके कारण बहुत सारे विकास कार्य रुक गए हैं।

विजयेंद्र ने कहा, सरकार को यह एहसास हुआ कि गारंटी रोकने से जनता में आक्रोश पैदा होगा। इन गारंटियों को जारी रखने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं थे, इसलिए उसने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं। कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाएं इस प्रकार हैं - सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अतिरिक्त पांच किलो चावल के बदले नकद भुगतान (अन्न भाग्य), बेरोजगार स्नातक युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये (युवा निधि), और सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (शक्ति)। अधिकारियों के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी का उद्देश्य संसाधन जुटाना है। वित्त मंत्री का अतिरिक्त संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य के राजस्व सृजन और राजकोषीय स्थिति की समीक्षा की और यह निर्णय लिया। ईंधन की कीमतों में बढ़ोत्तरी लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई है। इन नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कर्नाटक में 28 में से 19 सीट मिलीं, जिसमें भाजपा ने 17 और जनता दल (सेक्युलर) ने दो सीट जीतीं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीट पर जीत हासित की।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता भानुप्रकाश की मौत

शिवमोगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व विधान पार्षद एम बी भानुप्रकाश की सोमवार को कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ पार्टी द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हृदयाघात से मृत्यु हो गई। भानुप्रकाश (69) भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष और जिला अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके थे। सोमवार को उन्होंने कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पुलिस के एक सूत्र ने बताया, कार में बैठते समय उन्हें हृदयाघात हुआ और वे बेहोश हो गए। उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

पुलिस ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ हास्य अभिनेता चिक्कन्ना को नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरुष। रेणुकास्वामी हत्या मामले की जांच कर रहे पुलिस दल ने सोमवार को कन्नड अभिनेता चिक्कन्ना को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस दिया। पुलिस रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी दर्शन थूगुदीप और उसकी मित्र पवित्रा गौड़ा समेत 19 लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि मुख्य रूप से हास्य भूमिकाओं में नजर आने वाले 37 वर्षीय चिक्कन्ना से पूछताछ करने का निर्णय लिया गया क्योंकि कथित तौर पर वह आठ जून की रात को दर्शन के साथ थे, जब अपराध को अंजाम दिया गया था।

एक सूत्र ने बताया, अभी सिर्फ पूछताछ की बात है। हम जानना चाहते हैं कि क्या वह (चिक्कन्ना) मामले के बारे में जानते थे और उनके पास क्या जानकारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर गौड़ा को सोशल मीडिया पर कुछ अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे 47 वर्षीय अभिनेता नाराज हो गए थे।

दर्शन गिरफ्तारी मामला: कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा, किसी के प्रति नरम रुख नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि रेणुकास्वामी हत्या मामले की जांच के संबंध में किसी के प्रति नरम रूख अपनाने का सवाल ही नहीं उठता। हत्या के इस मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीपा और उनकी अभिनेत्री मित्र पवित्रा गौड़ा को गिरफ्तार किया गया है। परमेश्वर ने कहा कि पुलिस बिना किसी का पक्ष लिए, इस मामले में कार्रवाई करेगी। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, किसी को बचाने या उसके प्रति नरम रुख दिखाने का कोई सवाल ही नहीं है। हम किसी के आगे नहीं झुकेंगे। संवेदनशील जानकारी को सार्वजनिक रूप से उजागर करने से इनकार करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मामले की जांच के बाद रिपोर्ट जारी की जाएगी।

जब उनसे पूछा गया कि जांच कब तक पूरी होगी तो परमेश्वर ने कहा कि यह जांच अधिकारियों के ऊपर है। उन्होंने कहा, कानूनी तौर पर जो भी कार्रवाई करनी होगी, वह की जाएगी। मैंने और मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बार-बार कहा है कि हम बिना किसी पक्षपात के, इस मामले में कार्रवाई करेंगे। जांच दल में इंस्पेक्टर गिरीश नाइक को फिर से शामिल करने के सवाल पर गृह मंत्री ने कहा कि इस तरह के बदलाव प्रशासनिक आवश्यकताओं के आधार पर किए जाते हैं और यह निर्णय पुलिस विभाग पर छोड़ दिया गया है कि जांच का हिस्सा कौन होगा। कन्नड़ अभिनेता दर्शन और उसके 17 साथियों को आठ जून को चित्रदुर्ग से, रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि रेणुकास्वामी ने दर्शन की दोस्त और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा पॉक्सो मामले में पूछताछ के लिए सीआईडी के समक्ष पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा 'यौन अपराधों से बच्चों का सरंक्षण' (पॉक्सो) कानून के तहत दर्ज एक मामले के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार को आपराधिक अन्वेषण विभाग (सीआईडी) के समक्ष पेश हुए। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 14 मार्च को दर्ज मामले के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी थी।

पुलिस के मुताबिक, 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत के आधार पर येडीयुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि इस साल दो फरवरी को येडीयुरप्पा ने यहां डॉलर कॉलोनी में अपने आवास पर मुलाकात के दौरान उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। येडीयुरप्पा (81) ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि जनता ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी, जो उनके खिलाफ साजिश रचने में शामिल हैं। पीड़िता के भाई ने पिछले सप्ताह अदालत में एक याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि मुकदमा दर्ज करने के बाद तीन महीने का वक्त बीत चुका है लेकिन जांच में किसी प्रकार की कोई प्रगति नहीं हुई।

याचिकाकर्ता ने येडीयुरप्पा को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ करने का अनुरोध किया था। मार्च में सदाशिवनगर थाने में मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद कर्नाटक पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने एक आदेश जारी कर मामले को तत्काल प्रभाव से जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया था।

येडीयुरप्पा के खिलाफ आरोप लगाने वाली 54 वर्षीय महिला की पिछले महीने यहां एक निजी अस्पताल में फेफड़ों के कैंसर के कारण मौत हो गई थी। सीआईडी ने अप्रैल में येडीयुरप्पा को कार्यालय बुलाकर उनकी आवाज का नमूना लिया था।

प्रदर्शन

बच्चों के लिए नई शिक्षा नीति और एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना पर अंकुश लगाने के खिलाफ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलबुर्गी में विरोध प्रदर्शन किया।

सिद्दरामैया ने भाजपा को कर्नाटक के साथ अन्याय को लेकर केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन करने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने भाजपा पर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करने को लेकर सोमवार को निशाना साधा और पार्टी को राज्य के साथ अन्याय को लेकर केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित करने की चुनौती दी।

कर्नाटक सरकार द्वारा शनिवार को पेट्रोल पर बिक्री कर बढ़ाने के निर्णय के बाद पेट्रोल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 3.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा केंद्रीय कोष और जीएसटी हस्तांतरण तथा राज्य परियोजनाओं के लिए धन जारी करने से संबंधित मामलों में अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा को इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करने की चुनौती दी। सिद्दरामैया ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कच्चे तेल की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन वर्तमान में यह 82.35 डॉलर प्रति बैरल है। उन्होंने दावा किया कि 2015 में कच्चे तेल की कीमत 52 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अगले साल और कम हो गई। सिद्दरामैया ने सवाल किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में कच्चे तेल की कीमतें कम हुईं, लेकिन पेट्रोल की कीमतें बढ़ गईं। तो, भाजपा नेताओं को किसके खिलाफ लड़ना चाहिए?

जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब एक रिफिल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 410 रुपये थी। राजग शासन के दौरान यह 1,000 रुपये से अधिक हो गई। उन्होंने बताया कि इसे कम करने के बाद भी यह अभी भी 805.50 रुपये है। सिद्दरामैया ने कहा, कच्चे तेल की कीमतों में कमी के बावजूद गैस सिलेंडर की कीमत 410 रुपये से बढ़ाकर 805.50 रुपये किसने कर दी? अगर उन्हें गरीब लोगों की चिंता है, तो उन्हें केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए।

सिद्दरामैया ने कहा कि केंद्र द्वारा जीएसटी लागू किए जाने के बाद, राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल, शराब, स्टांप ड्यूटी और मोटर टैक्स को छोड़कर करों को बढ़ाने की शक्ति खो दी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने जीएसटी, आयकर, कॉर्पोरेट कर और उत्पाद शुल्क एकत्र किया, जबकि राज्य सरकार केवल बिक्री कर लगा सकती है और शराब की कीमतें तय कर सकती है। उन्होंने कहा, जब से भाजपा सत्ता में आयी है, कर्नाटक को 14वें और 15वें वित्त आयोग में 1.87 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हमारा राजस्व और राज्य को केंद्र का योगदान कम हो गया है। भाजपा के किसी भी सांसद ने संसद में बात नहीं की, हालांकि पिछली लोकसभा में उनकी संख्या 25 थी।

सिद्दरामैया ने आरोप लगाया कि हालांकि 15वें वित्त आयोग ने कर्नाटक को 5,495 करोड़ रुपये देने की सिफारिश की थी और कहा था कि राज्य के जीएसटी हस्तांतरण में कमी आयी है, लेकिन केंद्र ने इसे नहीं दिया। उन्होंने कहा कि फिर भी प्रदेश भाजपा ने इस पर एक शब्द भी नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने बेंगलुरू में परिधीय रिंग रोड के लिए 3,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी, लेकिन उसने कुछ भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, उसने बेंगलुरू में झील के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये नहीं दिए।

केरल कांग्रेस ने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ईसाइयों से माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल कांग्रेस ने सोमवार को ईसाई समुदाय से माफी मांगी। इससे एक दिन पहले कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पोप फ्रांसिस के साथ उनकी हालिया मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर कटाक्ष किया था, जिससे राज्य में राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया था।

कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल से उक्त पोस्ट को भी हटा लिया है। कांग्रेस की केरल प्रदेश इकाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक ताजा पोस्ट में कहा कि यदि उसके पहले के पोस्ट से ईसाई धर्मावलंबियों को कोई भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक पीड़ा हुई है तो वह उनसे बिना शर्त माफी मांगती है।

स्पष्टीकरणात्मक पोस्ट में पार्टी ने कहा कि राज्य के लोग स्पष्ट रूप से जानते हैं कि किसी भी धर्म, धर्मगुरुओं या प्रतिमाओं का अपमान और निरादर करना कांग्रेस की परंपरा नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ता पोप का अपमान करने के बारे में दूर-दूर तक नहीं सोचेगा, जिन्हें दुनिया भर के ईसाई भगवान के समान मानते हैं। कांग्रेस ने पोस्ट में कहा कि हालांकि, पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मखौल उड़ाने में संकोच नहीं करती, जो खुद को भगवान बताकर देश के श्रद्धालुओं का अपमान करते हैं। उसने कहा कि इस तरह से लोग भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन और अन्य की सांप्रदायिक सोच को समझ सकेंगे, जो मोदी के बेशर्म राजनीतिक खेल का मखौल उड़ाने के कांग्रेस के प्रयास को पोप के अपमान के रूप में चित्रित कर रहे हैं।

शीर्ष अभिनेताओं ने कहा

रेणुकास्वामी का परिवार न्याय पाने का हकदार, पुलिस जांच में पारदर्शिता बरते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में अभिनेता दर्शन की कथित संलिप्तता पर कन्नड़ फिल्म उद्योग के शीर्ष अभिनेताओं ने करीब एक हफ्ते बाद सोमवार को कहा कि पीड़ित का परिवार न्याय पाने का हकदार है लेकिन पुलिस को भी जांच में पारदर्शिता बरतनी चाहिए। कन्नड़ फिल्म उद्योग के शीर्ष सितारों में शुमार अभिनेता उपेन्द्र और किच्चा सुदीप ने रेणुकास्वामी हत्याकांड पर अपनी राय जताई जिसमें दर्शन और उनकी अभिनेत्री मित्र पवित्रा गौड़ा को 12 जून को गिरफ्तार किया गया था। दोनों सितारों ने कहा कि पीड़ित और उसके परिवार को न्याय मिलना चाहिए। उपेन्द्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जब कोई मशहूर व्यक्ति इस तरह के क्रूर मामले में फंसता है, तो सभी वीडियो, दस्तावेज और सबूत को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ना केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश की इस पर नजर है। उपेन्द्र ने कहा कि वह इस उच्च स्तरीय मामले की सुनवाई में निष्पक्ष फैसले और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उपेन्द्र ने लिखा, इस मामले से किस तरह निपटा जा रहा है, इसे लेकर रेणुकास्वामी के परिवार, लोगों, मीडिया और दर्शन के प्रशंसकों में कुछ चिंता और संदेह है। तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसलिए सुनवाई के वीडियो फुटेज और गवाहों के पूरे ब्योरों को पुलिस को संबंधित लोगों के परिवारों से साझा करना चाहिए। असल में यह एक कानून होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्व में पुलिस सुनवाई की कार्यवाही को लिखने के साथ रिकॉर्ड किया करती थी, अब तकनीक इतनी उन्नत हो गई कि हर चीज की वीडियो रिकॉर्डिंग करके उसका सजीव प्रसारण किया जा सकता है।

इसलिए इस तरह के कानूनी सुधार को प्राथमिकता देनी चाहिए। उपेन्द्र ने अपने पोस्ट में कहा, खासकर, सार्वजनिक क्षेत्र के किसी व्यक्ति के मामले की बात हो तो पुलिस को नियमित तौर पर सुनवाई के वीडियो और गवाहों के सभी ब्योरे को सार्वजनिकि करना चाहिए। एक मशहूर व्यक्ति की सुनवाई पूरी पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक रूप से होनी चाहिए। इस तरीके से, सबूतों से छेड़छाड़, प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो जाएगा।

उपेन्द्र ने जोर देकर कहा कि यही एक तरीका है जिसके जरिये रेणुकास्वामी के परिवार, लोगों, मीडिया और दर्शन के प्रशंसकों के मन में पुलिस के प्रति और अधिक सम्मान होगा। इस बीच संवाददाताओं से बातचीत में सुदीप ने कहा कि लोग वही जानते हैं जो मीडिया उन्हें दिखा रहा है क्योंकि वे जानकारी पाने के लिए पुलिस थाने नहीं जाते।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रेणुकास्वामी भी न्याय पाने के हकदार हैं जिन्हें कथित तौर पर मार डाला गया। सुदीप ने कहा, उनकी पत्नी भी न्याय की हकदार हैं, उनकी अजन्मी संतान भी न्याय की हकदार है। इन सब से परे, उन सभी व्यक्तियों के लिए, जिनका इस पर भरोसा है, इस मामले में न्याय होना चाहिए। एक संवाददाता ने सुदीप को याद दिलाया कि दर्शन उनके मित्र हैं। इस पर सुदीप ने कहा कि मित्रता या संबंध न्याय के हक से अलग बातें हैं। सुदीप ने कहा, सेलेब्रिटी होने का मतलब यह नहीं है कि हम भगवान हैं, हमारे साथ इस तरह व्यवहार ना करें। मुझसे यह नहीं पूछें कि फिल्म उद्योग को क्या कदम उठाना चाहिए। समाचार देखिए और खुद निर्णय लीजिए। और सबक लीजिए कि आपको अपने जीवन में क्या नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी किसी के भी बारे में गलत बोलने की आदत नहीं है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि फिल्म उद्योग का नाम खराब नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कन्नड़ फिल्म उद्योग कई लोगों की कड़ी मेहनत की वजह से आज इस ऊंचाई पर पहुंचा है। एक व्यक्ति की वजह से पूरे उद्योग का नाम खराब होना गलत बात है। इसलिए हम चाहते हैं कि इस मामले में न्याय हो। कन्नड़ अभिनेता दर्शन और उसके 17 साथियों को रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में आठ जून को चित्रदुर्ग से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि रेणुकास्वामी ने दर्शन की दोस्त और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे।

राजस्थान सरकार ने दाती महाराज से तालाबों की खुदाई में सहयोग की मांग की

- पंचायत एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पहुंचे शनिधाम पाली
- मंत्री कृपाल ने गंगा दशहरा के पर्व पर की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत मंत्री मदन प्रसाद ने कहा कि देश के निर्माण में संत की अहम भूमिका होती है। संतों के एक आह्वान पर समाज सुधार की जो परम्परा आरंभ होती है, वह अनवरत चलती रहती है। दिलावर ने कहा कि जो काम राज्य सरकार नहीं कर सकती, वह काम संत समाज अपने एक प्रस्ताव पर कर सकता है। इसलिए समाज सुधार के कार्यों में संतों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मदन दिलावर पाली स्थित श्री शनिधाम मंदिर परिसर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे पहले उन्होंने महामंडलेश्वर संत शिरोमणि दाती जी महाराज के सान्निध्य में संचालित नंदीशाला और गोशाला का अवलोकन किया। शिक्षा एवं पंचायत मंत्री ने पाली में गायों के उपचार के लिए अत्याधुनिक पोशाक सेवा को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री को आशीर्वाद देते हुए दाती महाराज ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे गौ माता के साथ ही देश और समाज की सेवा करने का पुण्य अवसर मिल रहा है। ट्रस्ट विगत वर्षों से सरकार के साथ मिलकर जल संरक्षण के लिए ब्रांड एम्बेसडर के रूप में कार्य कर रहा था, एक बार पुनः राष्ट्रीय संत सेवा गौ रक्षा कल्याण परिषद एवं श्री शनिधाम ट्रस्ट कैबिनेट मंत्री मदन प्रसाद के निवेदन पर राजस्थान सरकार के साथ मिलकर पूरे पाली जिलों के साथ ही राजस्थान भर में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण तालाब सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्य को फिर से एक मिशन के रूप में चालू करेगा। राज्य सरकार राष्ट्रीय संत सेवा गौ कल्याण परिषद एवं शनिधाम ट्रस्ट के साथ कंधा मिलाकर जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थान स्थान पेड़ों की कटाई के कार्य को पूर्ण लाभ से करेगी।

शिक्षा एवं पंचायत राज्य मंत्री ने कहा कि इस समय पूरे देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। राजस्थान में पानी की बहुत किल्लत है। तालाबों की खुदाई और जल संरक्षण की जब भी राज्य में जरूरत पड़ी, दाती महाराज और उनकी टीम ने आगे बढ़कर निस्वार्थ कार्य किया। उन्होंने दाती महाराज से आग्रह किया कि वह राज्य सरकार के तालाबों की खुदाई और जल संरक्षण के कार्यों में आगे भी भागीदारी निभाएं, ताकि उनके कार्यों से पूरा प्रदेश और जन-जन कामयाब हो सके। स्वामी निजस्वरूपानंद जी महाराज(दातीजी) ने सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनकर तथा शाल ओढ़ाकर पंचायत एवं शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर महंत श्रद्धापुरी, महंत दयापुरी, समाजसेवी सोहन चंदेल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उपचार के दौरान वकील की मौत होने पर लोगों ने किया हंगामा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के पुष्कर रोड पर हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य) स्थित आर्या न्यूरो हास्पिटल पर सोमवार को कुछ नागरिकों ने अस्पताल में उपचार के दौरान एक वकील की मौत होने पर हंगामा किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 जून को मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद ग्राम बड़ल्या के एडवोकेट दिलबाग सिंह रावत को उपचार चल रहा था। अस्पताल के डा. सूर्यप्रकाश चौधरी ने ईलाज के लिए भर्ती कर लिया और 14 जून को सिटी स्कैन किया गया। परिजनों का आरोप है कि बिना बताए आपरेशन कर दिया गया और अन्ततः मरीज की मौत हो गई। ईलाज के नाम पर 2.50 लाख रुपये भी ले लिए।

गत रात मौत की सूचना पर बड़ल्या गांव के ग्रामीण महिला-पुरुष , रावत समाज, परिजन सभी अस्पताल आ गये और आज सुबह जमकर हंगामा किया, नारेबाजी भी की। अस्पताल में हंगामे के समाचार सुन अतिरिक्त जिलाधीश (शहर) गजेंद्र सिंह राठौड़ , क्षेत्रीय उपाधीक्षक पुलिस रूद्रप्रकाश शर्मा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और समझाईश की, लेकिन सभी लोग अस्पताल प्रशासन, चिकित्सक डा. सूर्य कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे तथा चेतावनी दी कि जब तक मृतक के परिजनों को मुआवजा नहीं दिया जाता , वे डटे रहेंगे। अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने भी अपने सदस्य वकील की मौत पर परिजनों का समर्थन किया है।

महाराज दाहिर सैन ने सनातन हिंदू धर्म को राजधर्म घोषित किया : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि महाराजा दाहिर सेन की वीरता, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को राष्ट्र सदैव स्मरण करता रहेगा। जब भी भारत पर आक्रांताओं ने आक्रमण किया, तब सबसे पहले सिंध ने आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया और शहादत दीं। महाराज दाहिर सेन ने आक्रमणकारियों को बार-बार खदेड़ा।

मातृभूमि की रक्षा के लिए उन्होंने बलिदान दिया। उनके पूरे परिवार, उनकी पत्नी और दोनों पुत्री ने भी राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। हर बार विदेशी आक्रांताओं के हमलों को महाराजा दाहिर सैन ने नाकाम किया।

देवनानी ने इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित सिंधु सम्राट महाराज दाहिर सेन की 1312 वे बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। समारोह को राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद और इन्नोवेटिव समिति फॉर पीपल्स अवेयरनेस केयर एंड एजुकेशन सोसाइटी ने आयोजित किया।

देवनानी ने कहा की महाराज दाहिर सहन वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने सनातन हिंदू धर्म को राजधर्म घोषित किया था। एकता अखंडता व राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक महाराज दाहिर सेन को राष्ट्र स्मरण करता रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज एक भारत, श्रेष्ठ भारत, अखंड भारत का अभिन्न अंग है। सिंधी समाज ने भौतिकवाद का त्याग किया है।

भारतीय मूल्यों और परंपराओं की प्रति दृढ़ता पूर्वक जुड़कर स्वरोजगार और शिक्षा के माध्यम से एक भारत, श्रेष्ठ भारत और अखंड भारत की संकल्पना को साकार किया है। सिंधी समाज मेहनती है। समाज ने स्वरोजगार के बल पर भारत के आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान महाराणा प्रताप, हेमू कालानी और दाहिर सेन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया। आज युवा पीढ़ी इन वीर महापुरुषो के त्याग ,बलिदान और राष्ट्र प्रेम की गाथाओं को पढ़कर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

राजस्थान सरकार ने संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत वादे पूरे किए : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने लोगों से संकल्प पत्र में किए 45 प्रतिशत वादों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीतियों और योजनाओं के माध्यम से युवा, किसान, महिलाओं का सशक्तिकरण और गरीब कल्याण करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रविवार को किशनगढ़ में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता रहा है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल में अजमेर से सांसद भागीरथ चौधरी को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री के रूप में अहम जिम्मेदारी दी है। शर्मा ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि चौधरी किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण की अहम जिम्मेदारी को पूर्ण सफलता के साथ निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूर्वी राजस्थान की जल आवश्यकता को देखते हुए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्य को गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता एवं दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक प्रकरणों से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने इस पर अंकुश लगाने एवं दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने 100 दिवस की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाकर प्रदेश एवं आमजन के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी फैसले लिए हैं, जिनसे 'आपणो अग्रणी राजस्थान' की संकल्पना साकार होगी।

तीन नये कानून 150 साल पुरानी दण्ड आधारित न्याय प्रणाली को बनाएगा न्याय आधारित : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में नये आपराधिक कानून के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में नये आपराधिक कानूनों को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि 3 नये कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एक जुलाई 2024 से लागू हो जायेंगे। पंत ने बताया कि तीन नये कानून 150 साल पुरानी दण्ड आधारित न्याय प्रणाली को न्याय आधारित बनाएगा। पुराने कानूनों के स्थान पर लाये जा रहे नये कानून हमारे संविधान की तीन मूल भावनाओं - व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और सभी के साथ समान व्यवहार के सिद्धांत के आधार पर बनाये गये हैं। उन्होंने बताया कि नए कानूनों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध, मानव शरीर को प्रभावित करने जैसे मामलो को प्राथमिकता दी गयी है। नए कानूनों में पुलिस एवं नागरिकों के अधिकारों के बीच अच्छा संतुलन कायम किया गया है एवं खढ के उपयोग से कई प्रणालियों को सरलीकृत किया गया है।

बैठक में मुख्य सचिव ने सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए कि तीन नए कानून के बारे में आमजन को जागरूक करें, खासकर महिला एवं बच्चों को नये कानून के बारे में बताया जाये, स्कूल एवं कॉलेजों के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं से जुड़े अपराध की जानकारी दी जाये। पंत ने गृह विभाग को निर्देश दिए कि वकीलों से समन्वय कर प्रत्येक ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, नगर निकाय, नगर पालिका को नए कानूनों से अवगत कराया जाए। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को निर्देश दिए कि मीडिया के माध्यम से नए कानूनों का प्रचार-प्रसार किया जाये एवं विभाग की वेबसाइट पर पॉपअप लगाए। स्कूल शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि कॉलेज और स्कूलों में छात्रों एवं शिक्षको को जागरूक कर महिला एवं बाल अपराधों से अवगत कराये। महिला अधिकारिता विभाग को निर्देश दिए कि वह प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साथिन को नए कानूनों को लेकर अवगत कराये जिससे वहां आने वाली महिलाएं अपने अधिकारों के बारे में जान सके।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव, विधि एवं विधिक कार्य विभाग ब्रजेन्द्र कुमार जैन, प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग सुबीर कुमार, शासन सचिव, गृह विभाग श्रीमती रश्मि गुप्ता, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल, शासन सचिव, महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग मोहन लाल यादव, आयुक्त, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सुनील शर्मा, महानिदेशक, राजस्थान पुलिस उत्कल रंजन साहू, महानिदेशक (कारागार) राजेश निरवान सहित अन्य सम्बंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नीम का थाना जिले में विवाहिता का शव सड़क किनारे गड्ढे में मिला, हत्या की आशंका

जयपुर। राजस्थान के नीम का थाना जिले के सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार सुबह 30 वर्षीय एक विवाहिता का शव सड़क किनारे एक गड्ढे से बरामद किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि पाटन रोड के भराला मोड़ पर सड़क किनारे एक गड्ढे में शव बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला बीती रात से लापता थी और उसके परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान शिखा अग्रवाल के रूप में की गई है और वह बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में कार्यरत थी। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला के लापता होने के बाद परिजनों ने आसपास के इलाकों में उसकी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चला और रात को उसकी गुमशुदगी के बारे में पुलिस को जानकारी दी। पुलिस और परिजनों ने रातभर तलाश किया, लेकिन शिखा का पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह उसका शव भराला मोड़ पर एक गड्ढे में मिला।

पुलिस उपाधीक्षक और जांच अधिकारी अनुज डाल ने बताया कि दो वर्ष पहले महिला की शादी पंकज गुप्ता नाम के व्यक्ति से हुई थी और वह अपने पति के साथ रहती थी। उन्होंने बताया कि युवती के पिता की ओर से पंकज के खिलाफ हत्या और दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद हो पायेगा।

योग दिवस से पहले नगर निगम ग्रेटर ने रचा इतिहास, लगातार 1500 मिनट योग करके बनाया विश्व कीर्तिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। योग महोत्सव से पहले जयपुर में मेयर डॉ सौम्या गुर्जर के प्रयास से कीर्तिमान रच दिया। ग्रेटर नगर निगम की पहल पर योगाचार्या ने लगातार 1500 मिनिट तक योग करके विश्व कीर्तिमान बनाया है। इस विश्व कीर्तिमान का नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर भी हिस्सा बनी। महापौर सौम्या गुर्जन ने भी योगाचार्य के साथ योग किया। ये विश्व कीर्तिमान रचा गया जयपुर के इंद्रलोक सभागार में। यहां रविवार सुबह 7 बजे से छात्रों के साथ अन्य संस्थाओं ने योग करना शुरू किया जो सोमवार सुबह 7 बजे तक चला। इस दौरान सभी उम्र के लोगों ने मेयर सौम्या गुर्जर के साथ योग किया और खुद को स्वस्थ रखने के साथ जयपुर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान जयपुर के इंद्रलोक सभागार में 500 से अधिक योग के आसन करवाए गए। इस दौरान मेयर सौम्या गुर्जर के साथ करीब 80 ग्रुप्स के बच्चों, महिलाओं और पुरुष ने भी योग कया। ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि योग ही हमारा ज्ञान, संस्कार, संस्कृति है। इसे पूरे विश्व में अंगीकार किया है। योग की ही ताकत है कि आज भारत विकसित भारत बनने जा रहा है और महिलाओं को बढ़ावा मिल रहा है।

सड़क हादसे में चार की मौत, एक घायल

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि तेज गति से जा रहा एक ट्रेलर, अपने आगे चल रहे डंपर को टक्कर मारकर खाई में जा गिरा। टक्कर लगने के बाद डंपर चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क के डिवाइडर पर चल रही दो महिलाओं और एक पुरुष को कुचलते हुए आगे बढ़ कर डंपर ने एक अन्य ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। बेकरिया के थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि गोगुंदा-पिंडवाड़ा राजमार्ग पर हुए इस हादसे में ट्रेलर चालक की भी मौत हो गई और क्लीनर घायल हो गया। चार मृतकों में से एक की पहचान मशरूफ के रूप में हुई है।

अलवर का विकास पहली प्राथमिकता रहेगी : भूपेन्द्र यादव

जयपुर। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने रविवार को कहा कि अलवर का सांसद होने के नाते अलवर का सर्वांगीण विकास पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार भारत के संविधान को संरक्षित व सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा भारत के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए बनाए गए संविधान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा सशक्त करने का कार्य किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर नहर के लिए आमजन के साथ कदम मिलाकर उसको पूरा कराने, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्शन उपलबध कराने, भजेडा गांव में केंद्रीय विद्यालय के लिए आवंटित जमीन पर शीघ्र ही कार्य कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विश्वास की भावना से अलवर जिले का विकास कराया जाएगा। इससे पूर्व, यादव ने अलवर में राजगढ़ क्षेत्र के गांव भजेडा में स्थित मीन भगवान के मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

प्रकृति के संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास होना चाहिए : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि प्रकृति के संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरा ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं। मिश्र कल्पतरू संस्थान द्वारा आयोजित 'वृक्ष मित्र सम्मान समारोह' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष 'खेजड़ी' के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है। उन्होंने प्रकृति के पंचभूत तत्वों का उल्लेख करते हुए पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी सभी को कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने पेड़ों को धरती का शृंगार बताते हुए हरी-भरी धरा के लिए लोगों के मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

पिपलांत्री में पर्यावरण संरक्षण के कार्यों का मंत्री खराड़ी ने किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी सोमवार को राजसमंद के पिपलांत्री गांव के दौरे पर रहे। उन्होंने यहां पिपलांत्री में नर्सरी का अवलोकन किया। पिपलांत्री के सूत्रधार पद्मपालीवाल ने बताया कि यह गांव अपनी अनूठी पहल 'कन्या जन्मोत्सव' के लिए प्रसिद्ध है। इस पहल के तहत गांव में हर लड़की के जन्म पर अनेकों पेड़ लगाए जाते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है।

मंत्री खराड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी पृथ्वी को स्वस्थ और हरित बनाए रखने के लिए पौधारोपण अत्यंत महत्वपूर्ण है। पेड़ हमारे पर्यावरण के संरक्षक होते हैं, जो न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में भी मदद करते हैं।

उन्होंने आमजन से अपील की कि अपने आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण अभियान में सक्रिय रहकर भाग लें। हर व्यक्ति यदि साल में कम से कम एक पौधा भी लगाए, तो हम अपने पर्यावरण को काफी हद तक सुधार सकते हैं। पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी आवश्यक है।

राहुल, आदित्य को ईवीएम संबंधी खबर पर आधारित टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए : निरुपम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर एक समाचारपत्र की खबर के आधार पर गलत जानकारी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

ईवीएम से छेड़छाड़ के दावों को लेकर रविवार को राजनीतिक वाकयुद्ध शुरू हो गया था, जिसमें गांधी, ठाकरे और अन्य विपक्षी नेताओं ने मीडिया की एक खबर का हवाला दिया था। उक्त खबर में आरोप लगाया गया था कि शिवसेना के मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से उम्मीदवार रवींद्र वायकर के एक रिश्तेदार को चार जून को मतगणना के दौरान ईवीएम से ''जुड़े'' मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था।

मीडिया की खबर में कहा गया है कि मतगणना के दौरान शिवसेना उम्मीदवार रवीन्द्र वायकर के एक रिश्तेदार ने एक ईवीएम को ''अनलॉक'' करने के लिए एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था। हालांकि, निर्वाचन क्षेत्र की रिटर्निंग अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने 'मिड-डे' अखबार की खबर को झूठी खबर करार देते हुए खारिज

कर दिया और कहा कि प्रकाशन को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है, जिसे 'प्रोग्राम' नहीं किया जा सकता और इसमें वायरलेस से संचार स्थापित नहीं किया जा सकता। वायकर ने मुंबई की उत्तर-पश्चिम सीट से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को मात्र 48 मतों से हराया।

निरुपम ने यहां पत्रकारों से कहा कि अंग्रेजी दैनिक ने खबर में अपनी गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा, मैं गलत सूचना को बढ़ावा देने के लिए राहुल गांधी, (वकील) प्रशांत भूषण और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य नेताओं से भी इसी तरह की जवाबदेही की मांग करता हूं। आदित्य ठाकरे ने झूठे विमर्श फैलाने के लिए उसी खबर का इस्तेमाल किया, जिसके दुष्परिणाम हुए हैं। अब, उन सभी को माफी मांगनी चाहिए। निरुपम ने ईवीएम से छेड़छाड़ के बारे में संदेह जताए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने दावा किया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी होने से पहले कीर्तिकर की जीत की घोषणा की गई, जो कि वायकर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को बदनाम करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। निरुपम ने शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' से भी माफी मांगने की मांग की और दावा किया कि उसने भी मुंबई उत्तर पश्चिम सीट के परिणाम के बारे में इसी तरह की 'झूठी खबर' प्रकाशित की। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वह इस मामले को भारतीय प्रेस परिषद तक ले जाएंगे।

ईवीएम की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करें या उन्हें हटाएं : राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से मशीनों और प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने या उन्हें हटाने को कहा।

यह मांग ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है और किसी को भी इसकी जांच करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। गांधी ने कहा, जब लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया जाता है, तो एकमात्र सुरक्षा उपाय जनता के लिए

पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया में ही निहित होता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ईवीएम फिलहाल एक ब्लैक बॉक्स है। चुनाव आयोग को या तो मशीनों और प्रक्रियाओं की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए या उन्हें हटा देना चाहिए। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को अचूक मानने से पहले, भारत निर्वाचन आयोग को यह आंकड़ा जारी करना चाहिए कि चुनावों के दौरान कितनी ईवीएम खराब पायी गईं। निर्वाचन आयोग को यह बताना चाहिए कि आम चुनावों के दौरान कितनी मशीनों ने गलत समय, तारीख और गलत मत दर्ज किए तथा कितनी ईवीएम के घटकों-मतगणना इकाई, मतपत्र इकाई को बदला गया तथा छद्म मतदान के दौरान कितनी ईवीएम में खराबी मिली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने एक मीडिया खबर का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोस क्षेत्र में शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार को चार जून को मतगणना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से कनेक्ट मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पाया गया था। निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने हालांकि 'मिड-डे' अखबार की खबर को झूठी खबर बताकर खारिज कर दिया और कहा कि प्रकाशन को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है।

आरएसएस की सहयोगी के तौर पर काम कर रही एनसीईआरटी, संविधान पर हमला कर रही : जयराम रमेश

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों में संशोधन को लेकर विवाद के बीच, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को आरोप लगाया कि यह संस्था 2014 से आरएसएस की सहयोगी के रूप में काम कर रही है और संविधान पर हमला कर रही है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट-2024 परीक्षा में कृपांक (ग्रेस मार्क) विवाद के लिए एनसीईआरटी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल एनटीए की अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। कांग्रेस नेता ने कहा, हालांकि यह सच है कि एनसीईआरटी अब पेशेवर संस्था नहीं रही। यह 2014 से आरएसएस से संबद्ध संस्था के रूप में काम कर रही है। अभी-अभी पता चला कि इसकी 11वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की संशोधित पाठ्यपुस्तक में धर्मनिरपेक्षता के विचार की आलोचना की गई है। रमेश ने कहा, एनसीईआरटी का काम किताबें प्रकाशित करना है, राजनीतिक पर्चे जारी करना या दुष्प्रचार करना नहीं। उन्होंने कहा, एनसीईआरटी हमारे देश के संविधान पर हमला कर रही है जिसकी प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता को स्पष्ट रूप से भारतीय गणतंत्र के मूलभूत स्तंभ के रूप में दर्शाया गया है। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों ने स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का एक अनिवार्य हिस्सा माना है। रमेश ने कहा कि एनसीईआरटी को याद रखना चाहिए कि यह राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद है, ना कि नागपुर या नरेन्द्र शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।

पाठ्यपुस्तकों में 'भारत' और 'इंडिया' का परस्पर प्रयोग, इस पर बहस बेकार : सकलानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भारत और इंडिया का परस्पर प्रयोग किया जाएगा, जैसा कि देश के संविधान में है। ये टिप्पणियां सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम पर काम कर रही एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा यह सिफारिश किए जाने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं कि सभी कक्षाओं की स्कूली पाठ्यपुस्तकों में इंडिया के स्थान पर भारत शब्द होना चाहिए।

यहां 'पीटीआई' के मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में एनसीईआरटी प्रमुख ने कहा कि किताबों में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा और परिषद को भारत या इंडिया से कोई परहेज नहीं है। उन्होंने कहा, यह परस्पर उपयोग के योग्य हैं....हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उस पर कायम हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर

सकते हैं, इसमें समस्या क्या है? हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें ठीक लगे हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें ठीक लगेगा हम भारत का इस्तेमाल करेंगे। हमें इंडिया या भारत से कोई परहेज नहीं है।

सकलानी ने कहा, आप देख सकते हैं कि दोनों का प्रयोग हमारी पाठ्यपुस्तकों में पहले से ही किया जा रहा है और नई पाठ्यपुस्तकों में भी यह जारी रहेगा। यह एक बेकार बहस है। विद्यालयी पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान की एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले वर्ष सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में इंडिया के स्थान पर भारत शब्द रखा जाना चाहिए। समिति के अध्यक्ष सी.आई.इसाक ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया के स्थान पर भारत शब्द रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास के स्थान पर शास्त्रीय इतिहास को शामिल करने तथा सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने का सुझाव दिया है। इसाक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था, समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश की है कि सभी कक्षाओं के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत एक सदियों पुराना नाम है। भारत नाम का इस्तेमाल प्राचीन ग्रंथों में किया गया है, जैसे कि विष्णु पुराण, जो 7,000 साल पुराना है।

एनसीईआरटी ने तब कहा था कि समिति की सिफारिशों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। भारत नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर पिछले साल सामने आया था जब सरकार ने जी-20 के निमंत्रण को प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसिडेंट ऑफ भारत के नाम से भेजा था। बाद में, नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नामपट्टिका पर भी इंडिया के स्थान पर भारत लिखा हुआ दिखायी दिया।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते तो भाजपा को केवल 40 लोकसभा सीटें ही मिलतीं : आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि यदि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से होते तो भाजपा केवल 40 सीटें ही जीत पाती।

ठाकरे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट के परिणाम को भी धोखाधड़ी करार दिया, जहां शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के रवींद्र वायकर से 48 मतों से हार गए। विधायक ने दावा किया, सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके हमारी जीत छीन ली गई। उनकी पार्टी मुंबई उत्तर पश्चिम सीट के चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका के साथ अदालत का रुख करेगी। उन्होंने दावा किया, अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होते तो भाजपा 240 नहीं बल्कि केवल 40 सीटें जीतती। उल्लेखनीय है कि मुंबई में वनराई पुलिस ने वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ गोरेगांव (जो वायकर के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है) में एक मतगणना केंद्र पर 4 जून को आम चुनावों के परिणाम घोषित होने के दिन मोबाइल फोन का कथित रूप से इस्तेमाल करने का मामला दर्ज किया है।

निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव में खराब पायी गई ईवीएम का आंकड़ा जारी करे : गौरव गोगोई

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह इस बारे में आंकड़े जारी करे कि लोकसभा चुनाव के दौरान कितनी ईवीएम खराब पायी गईं।

गोगोई ने कहा कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि इन मशीनों ने अशुद्ध परिणाम दिखाए हैं। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोगोई ने असम की जोरहाट सीट से अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 1.44 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। गोगोई का यह बयान ईवीएम से छेड़छाड़ के दावों को लेकर ताजा राजनीतिक विवाद के एक दिन बाद आया है।

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रभारियों व सह-प्रभारियों की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू एवं कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सोमवार को चुनाव प्रभारियों और सह-प्रभारियों की घोषणा कर दी।

पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को महाराष्ट्र, धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा, शिवराज सिंह चौहान को झारखंड और जी किशन रेड्डी को जम्मू एवं कश्मीर का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को यादव के साथ महाराष्ट्र का सह-प्रभारी, विप्लव कुमार देव को हरियाणा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को झारखंड का सह-प्रभारी बनाया गया है। जम्मू एवं कश्मीर में किसी को भी सह-प्रभारी नियुक्त नहीं किया गया है। इन सभी राज्यों में एक साल के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक चुनाव की तारीखें घोषित नहीं की गई हैं। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार है। वहीं, हरियाणा में भाजपा अपने दम पर सरकार में है। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है और दोनों ही विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल हैं।

बड़ी संख्या में लोगों ने ईद-उल-अज़हा की नमाज अदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राजधानी लखनऊ स्थित ऐशबाग ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने सोमवार को ईद-उल-अज़हा की नमाज अदा की। इस दौरान पूरे उत्तर भारत में पड़ रही भीषण गर्मी से राहत के लिए खास दुआ की गई और पर्यावरण की रक्षा का आह्वान किया गया।

ईदगाह के इमाम और इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईदगाह में करीब डेढ़ लाख लोगों ने ईद-उल-अज़हा की नमाज अदा की। नमाज के बाद भीषण गर्मी से राहत के लिए विशेष दुआ की गई।

मौलाना फरंगी महली ने बताया कि नमाज से पहले दिए गए खुतबे (भाषण) में उन्होंने इस्लाम में पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताए गए सिद्धांतों का जिक्र करते हुए सभी से अपील की कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और उनकी हिफाजत भी करें।

राजधानी में टीले वाली मस्जिद, नदवा मस्जिद और लालबाग क्षेत्र में जामा मस्जिद में भी खास नमाज अदा की गई।

अयोध्या में ईदगाह में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और देश में शांति एवं समृद्धि के लिए दुआ की। वहीं, सहारनपुर के देवबंद में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बकरीद का पर्व मनाया गया।

सिक्किम में फंसे हुए पर्यटकों को निकालने का काम शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मंगन जिले में फंसे हुए 1,200 से अधिक पर्यटकों को निकालने का काम सोमवार दोपहर को शुरू हो गया। अधिकारियों के मुताबिक पर्यटकों को जिले के टूंग क्षेत्र से सड़क मार्ग के जरिए निकाला जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल नौ पर्यटकों को निकाला जा चुका है। फंसे हुए पर्यटकों को निकालने के काम का नेतृत्व मंगन के जिलाधिकारी हेम कुमार छेत्री और पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन तथा वन विभाग के अधिकारियों के अलावा ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ सिक्किम (टीएएएस) द्वारा किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश एवं कई भूस्खलन के बावजूद, टीम सुरक्षा, देखभाल और सतर्कता के साथ समूहों में पर्यटकों की निकासी का काम संभाल रही है। राज्य के मंगन जिले के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क और संचार नेटवर्क ठप हो गए हैं, जिससे देश के बाकी हिस्सों से इसका संपर्क टूट गया है। इसी के परिणामस्वरूप पिछले एक सप्ताह से लाचुंग शहर में कुछ विदेशियों समेत लगभग 1200 पर्यटक फंसे हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) मंगन जिले से वाहनों के आवागमन को जल्द से जल्द सुगम बनाने के लिए सड़क नेटवर्क को बहाल करने का काम कर रहा है।

गंभीर ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटोर (मार्गदर्शन) गौतम गंभीर ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

गंभीर 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पूर्वी दिल्ली से सांसद बने थे। उन्होंने अपने क्रिकेट कोचिंग करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सक्रिय राजनीति से ब्रेक ले लिया है। गंभीर ने 'एक्स' पर शाह के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, हाल की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। गृह मंत्री के रूप में उनका नेतृत्व हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता को और मजबूत करेगा। गंभीर टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने के

मजबूत दावेदार हैं। द्रविड़ ने पुष्टि की है कि वह मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम के कोच का पद छोड़ देंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने संभावित नई नियुक्ति पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। यह पता चला है कि अशोक मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने अभी तक किसी भी इच्छुक उम्मीदवार का साक्षात्कार नहीं लिया है।

बीसीसीआई से जुड़े लोगों का मानना है कि गंभीर की नियुक्ति महज एक औपचारिकता है क्योंकि दिल्ली के इस खिलाड़ी को टक्कर देने के लिए कोई उपयुक्त भारतीय उम्मीदवार मौजूद नहीं है।

हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू : हरभजन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पंड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं।

भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था। हरभजन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पंड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।

विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पंड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की।

पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप

से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हरभजन ने कहा, पंड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गई।

विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाए थे। हरभजन ने कहा, पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है। भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा।

हरभजन ने कहा कि टीम के पास नई परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।

उन्होंने कहा, उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।

रोहित के कोच ने मेरे करियर को आकार दिया : अमेरिकी क्रिकेटर हरमीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका में चल रहे टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रही अमेरिकी टीम का हिस्सा बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने खुलासा किया है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के कोच दिनेश लाड ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इकतीस वर्षीय हरमीत ने दो अंडर-19 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अमेरिका जाने से पहले आयु वर्ग टूर्नामेंटों में मुंबई के लिए खेले। वह अब अमेरिकी टीम के सदस्य है जिसने टी20 विश्व कप में अपने पहले ही प्रयास में सुपर आठ चरण में जगह बनाई। पीटीआई के साथ साझा किए गए एक वीडियो में हरमीत ने कहा, मैं इस यात्रा में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों और विशेष रूप से दिनेश लाड सर को धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरी प्रतिभा को सबसे पहले लाड सर ने पहचाना जो मेरे स्कूल के दिनों में कोच और मेंटर थे (रोहित शर्मा उसी स्कूल में पढ़ते थे)। उन्होंने कहा, असल में उन्होंने ही मुझे अपने स्कूल में शामिल होने की सलाह दी थी। वहां उन्होंने मुझे वह सब कुछ दिया जो वह संभवत: दे सकते थे। हरमीत ने कहा कि लाड के बिना उनकी प्रगति संभव नहीं थी। उन्होंने कहा, मैंने स्वामी विवेकानंद स्कूल में दाखिला लिया। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े, तब उपनगरों में क्रिकेट नहीं था, लेकिन अब पीछे मुड़कर देखने पर यह सब एक सपने जैसा लगता है। हमने स्कूल में जो कुछ भी हासिल किया, वह लाड सर के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता था।

सुविचार

कुछ बोलने और तोड़ने में केवल एक पल ही लगता है, जबकि बनाने और मनाने में पूरा जीवन लग जाता है, प्रेम सदा माफ़ी माँगना पसंद करता है, और अहंकार सदा माफ़ी सुनना पसंद करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसा हो स्कूली पाठ्यक्रम?

एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी का यह बयान विचारणीय है कि 'स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और अवसादग्रस्त व्यक्ति।' स्कूली बच्चों का मन उस कच्ची मिट्टी की तरह होता है, जो वैसा ही आकार ले लेती है, जैसा उसे देने की कोशिश की जाती है। पाठ्यक्रम को समयानुसार जरूर बदलना चाहिए। आज के बच्चे ही भविष्य में देश को दिशा देंगे। लिहाजा उन्हें पाठ्यपुस्तकों में ऐसी सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए, जो उनके दिलो-दिमाग को पूर्वाग्रह, घृणा और भेदभाव से दूर रखे। इतिहास में ऐसे कई अध्याय हैं, जिनके साथ कड़वी यादें जुड़ी हुई हैं। विद्यार्थियों को उनके बारे में पता होना चाहिए, लेकिन एक खास उम्र के बाद। इतिहास बताने या पढ़ाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है। यह ऐसा होना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को सही जानकारी मिले, वे न किसी से नफरत करें, न उनमें हीनभावना पैदा हो और न ही प्रतिशोध की ज्वाला भड़के। सब जानते हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमों से हमला किया था, जिसमें लाखों लोगों की जानें चली गई थीं, लाखों ही घायल हो गए थे। ये दोनों शहर पूरी तरह खंडहर बन गए थे। युद्ध समाप्त होने के बाद जब स्कूलों के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार करने का समय आया, तब न तो अमेरिकी बच्चों को यह पढ़ाया गया कि उनके नेताओं के फैसलों ने जापान में खूब कहर बरपाया था और न जापान के बच्चों को यह पढ़ाया गया कि उनके साथ बहुत बड़ी ज्यादती हो गई, लिहाजा उन्हें बड़े होकर बदला लेना है, अमेरिका पर उसी तरह धावा बोलना है!

आज अमेरिका और जापान के संबंध बहुत अच्छे हैं। दोनों देशों के लोग जब एक-दूसरे के यहां जाते हैं तो उनमें न विजय का अहंकार देखने को मिलता है और न ही किसी की आंखों में प्रतिशोध की अग्नि धधकती नजर आती है। बल्कि हिरोशिमा और नागासाकी में कई बार ऐसा देखा गया, जब अमेरिकी और जापानी लोग गले मिलकर रोए। स्पष्ट है कि वे यह तो मानते हैं कि इतिहास में अप्रिय घटनाएं हुईं, लेकिन वे उन कड़वी यादों से बाहर निकलना चाहते हैं, उन्हें वर्तमान एवं भविष्य पर हावी नहीं होने देना चाहते। मई 2016 में जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा हिरोशिमा गए थे, तब वे एक बुजुर्ग से गले मिलकर भावुक नजर आए थे। उन बुजुर्ग के परिवार के कई सदस्य बमकांड में मारे गए थे। अगर आज अमेरिका और जापान के लोगों के बीच दुश्मनी और नफरत नहीं है तो इसका श्रेय उन विशेषज्ञों व लेखकों को भी दिया जाना चाहिए, जिन्होंने दशकों पहले स्कूली पाठ्यक्रम तैयार किया था। बच्चों को हिंसा, नफरत, कट्टरता और अहंकार की बातें सिखाने का उनके कोमल मन पर क्या असर हो सकता है, इसका ज्वलंत उदाहरण पाकिस्तान है। उसकी पाठ्यपुस्तकों में भारत और स्वयं के अल्पसंख्यक समुदायों की आस्था के खिलाफ जो बातें लिखी गईं, उनका असर साफ दिखाई दे रहा है। आज पाकिस्तानी स्वदेश में रहें या विदेश में, उनके कुछ 'कारनामे' सबके लिए समस्या पैदा करते हैं। इसकी जड़ में वह पाठ्यक्रम है, जिसके जरिए बच्चों के मन में नफरत का जहर घोला गया। भारत में नब्बे के दशक में स्कूलों में सुबह होने वाली प्रार्थना सभाओं में अख़बार पढ़कर सुनाने का बहुत चलन था। उस दौरान हिंसा, दुष्कर्म, चोरी, बैंक डकैती, छेड़छाड़ समेत सभी तरह के अपराधों से संबंधित खबरें बिल्कुल नहीं सुनाई जाती थीं, क्योंकि उनसे बच्चों के मन पर बुरा असर पड़ सकता था। उन्हें सामान्य ज्ञान, प्रेरक घटनाओं, महापुरुषों, सकारात्मक कार्यों, वैज्ञानिक शोध और देश की प्रगति से संबंधित घटनाओं के बारे में बताया जाता था। पाठ्यक्रम निर्माण में भी इसी नियम का पालन करना चाहिए। पाठ्यपुस्तकें ऐसी हों, जिन्हें पढ़कर विद्यार्थियों में सकारात्मक दृष्टिकोण, सद्भाव और एकता की भावना पैदा हो।

ट्वीटर टॉक

उदयपुर जिले के गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में बड़ी संख्या में जनहानि की मिली सूचना अत्यन्त पीड़ादायक है। प्रभु श्रीराम जी से दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कामना करती हूँ।

-दीया कुमारी

पश्चिम बंगाल में हुए भीषण रेल हादसे में जनहानि अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। पीड़ा की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। हादसे में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

-ओम बिरला

आज राजधानी दिल्ली में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए साधनारत, भारत के 'अमृतकाल के सारथी' आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से स्नेहपूर्ण भेंट कर उनका स्नेहिल आशीर्वाद व आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

साफ मन में ईश्वर का वास

एक बार भिक्षुक घूमते-फिरते एक दुकान पर गये। दुकान में अनेक छोटे-बड़े डिब्बे थे, एक डिब्बे की ओर इशारा करते हुए भिक्षुक ने दुकानदार से पूछा, 'इसमें क्या है?' दुकानदार ने कहा, 'इसमे नमक है!' भिक्षुक ने फिर पूछा, 'इसके पास वाले में क्या है?' दुकानदार ने कहा, 'इसमें हल्दी है।' इसी प्रकार भिक्षुक बार-बार सभी डिब्बों के बारे में पूछता गया और दुकानदार बतलाता रहा। अंत में सबसे पीछे रखे डिब्बे का नंबर आया तो भिक्षुक ने पूछा, 'उस अंतिम डिब्बे में क्या है?' दुकानदार बोला, 'उसमें राम-राम हैं।' भिक्षुक ने पूछा, 'यह राम-राम किस वस्तु का नाम है!' दुकानदार ने कहा, 'सभी डिब्बों में तो कोई न कोई वस्तु है, परंतु यह डिब्बा खाली है, हम खाली को खाली नहीं कहकर राम-राम कहते हैं।' भिक्षुक की आंखें खुली की खुली रह गईं! 'ओह! तो खाली में राम जी रहते हैं। भरे हुए में राम को स्थान कहां? लोभ, लालच, ईर्ष्या, द्वेष और भली-बुरी बातों से जब दिल-दिमाग भरा रहेगा तो उसमें ईश्वर का वास कैसे होगा? राम जी साफ-सुथरे मन में ही निवास करता है!' एक छोटी-सी दुकान वाले ने भिक्षुक को बहुत बड़ी बात समझा दी।

सामयिक

मोहन भागवत के वक्तव्यों को कैसे देखें ?

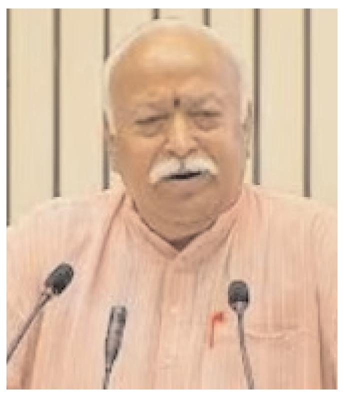

उनकी चिंता है कि देश के शीर्ष राजनेता इस तरह का व्यवहार करेंगे तो देश का भला नहीं हो सकता है। इसी में विरोधी को प्रतिपक्ष कहने की बात करते हैं क्योंकि उनके अनुसार वह विषय का एक पहलू उजागर करते हैं जिनका विचार होना चाहिए। सच कहा जाए तो उनका देश की सभी पार्टियों के राजनेताओं से अपील है कि चुनाव खत्म हो गया जिसमें मर्यादा का पालन नहीं हुआ। किंतु देश के सामने चुनौतियां हैं और उनके लिए सबको सत्य और एक दूसरे को धक्का देने की प्रतिस्पर्धा से बाहर निकाल कर समान मन से काम करना चाहिए।

अवधेश कुमार
मो.:9811027208

संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत के भाषण पर जबरदस्त बहस चल रही है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारियों के भाषणों और वक्तव्यों पर मीडिया ,विश्लेषकों तथा समर्थकों के अलावा विरोधियों की भी गहरी नजर रहती है। किंतु संघ प्रमुख के दो भाषण वर्ष में सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं और उनसे भविष्य की दिशा मिलती है- विजयादशमी महोत्सव और दूसरा नागपुर में आयोजित तृतीय वर्ष कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर के समापन पर दिया गया भाषण। वर्तमान उद्बोधन भी कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन समारोह का ही है। निष्पक्षता से कोई उनके पूरे उद्बोधन को सुनेगा तो उसका वह अर्थ नहीं निकालेगा जो मुख्य मीडिया और सोशल मीडिया में छाया हुआ है। सबका निष्कर्ष एक ही है कि डॉक्टर भागवत ने भाजपा के बहुमत न पाने को लेकर ही अपनी टिप्पणी की है तथा उसको चेताया है। उसमें चाहे अहंकार की बात हो, मिलकर चलने की, सत्य बोलने की, आत्ममंथन सब केवल नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए है।

प्रश्न है कि क्या संघ और भाजपा के संबंध ऐसे हो गए हैं कि संघ प्रमुख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा को कुछ कहना हो तो सार्वजनिक भाषण में बोलेंगे और वह भी कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन में जबकि प्रशिक्षण के बाद स्वयंसेवकों को सकारात्मक भाव से निकलकर देश के लिए काम करने की प्रेरणा देनी होती है? दूसरे अगर ये बातें केवल सरकार के लिए हैं तो विपक्ष के लिए क्यों नहीं? हालांकि कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का निर्णय महीनों पहले हुआ होगा और समापन भाषण का भी। उस समय किसी ने नहीं सोचा होगा कि यह चुनाव परिणाम आने और सरकार गठित होने का दिन होगा। बावजूद चुनाव हो ,सरकार और विपक्ष के बीच अनेक मुद्दों पर बाहर चल रही हो , सरकार गठित हुई हो और संघ प्रमुख उसकी पूरी तरह अनदेखी कर दें यह नहीं हो सकता। उद्बोधन के समय उनके ध्यान में पूरा राजनीतिक परिदृश्य पर रहा होगा। पर जिन लोगों ने निष्पक्षता से संघ को समझा है , अध्ययन किया है वो इन ज्यादातर टिप्पणियों से सहमत नहीं हो सकते। तो फिर क्या होंगे डॉक्टर मोहन भागवत के वक्तव्यों के निहितार्थ?

जिन पंक्तियों को बहस का आधार बनाया गया है उनमें पहला है , चुनाव । वे कहते हैं कि चुनाव संपन्न हुए हैं। उसके परिणाम भी आए और कल सरकार भी बन गई। .ये अपने देश के प्रजातांत्रिक तंत्र में प्रत्येक पांच वर्ष में होने वाली घटना है। उसके अपने नियम और डायनेमिक्स हैं। ..अपने देश के संचालन के लिए कुछ निर्धारण करने वाला वो प्रसंग है, इसलिए महत्वपूर्ण है। लेकिन इतना महत्वपूर्ण क्यों है? समाज ने अपना मत दे दिया, उसके अनुसार सब होगा। ध्यान रखिए इसी में वह कहते हैं कि क्यों, कैसे, इसमें संघ के हम लोग नहीं पड़ते। हम लोकमत परिष्कार का अपना कर्तव्य करते रहते हैं। प्रत्येक चुनाव में करते हैं। इस बार भी किया है। इन पंक्तियों को कोई उद्धृत नहीं करता जबकि संघ और उसके सारे संगठनों में काम करने वाले स्वयंसेवकों तथा समाज के लिए उनका पक्ष यही है। आगे वे कहते हैं -कल ही आदरणीय सत्य प्रकाश जी महाराज ने हमको कबीर जी का एक वचन बताया। . कबीर कहते हैं निर्बंधा बंधा रहे बंधा निर्बंधा होई कर्म करे करता नहीं दास कहाय सोई। जो सेवा करता है, जो वास्तविक सेवक है, जिसको वास्तविक सेवक कहा जा सकता है उसको कोई मर्यादा रहती है यानी वो मर्यादा से चलता है। .. जैसा कि तथागत ने कहा हैकुशलस्य उपसंपदा, यानी अपनी आजीविका पेट भरने का काम सबको लगा ही है, करना ही चाहिए.. लेकिन कौशलपूर्वक जीविका कमानी है और कार्य करते समय दूसरों को धक्का नहीं लगना चाहिए। ये मर्यादा भी उसमें निहित है। ..वो मर्यादा ही अपना धर्म है, संस्कृति है। जो पूज्य महंत गुरुवर्य महंत रामगिरी जी महाराज जी ने अभी बहुत मार्मिक कथाओं से थोड़े में बताई, उस मर्यादा का पालन करके जो चलता है, कर्म करता है, कर्मों में लिप्त नहीं होता, उसमें अहंकार नहीं आता। वही सेवक कहलाने का अधिकारी रहता है। साफ है कि इन संतों का वहां उद्बोधन हुआ और उसी को उद्धृत करते हुए डॉक्टर भागवत ने स्वयंसेवकों को नीति और व्यवहार समझने की कोशिश की जिसमें से अहंकार, धक्का देना आदि शब्दों को उठाकर बिना पूरे प्रसंग को लिए विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष कुछ भी आ सकता है ।

मजे की बात देखिए कि मोहन भागवत कहते हैं कि इन चार पंक्तियों में संघ की वृत्ति ध्यान में आती है। इन बातों में उलझे रहेंगे तो काम रह जाएंगे। यानी संघ अपना काम करता है उसमें उलझता नहीं। और बहस इसी पर हो रही है कि संघ इसी वृत्ति में लिप्त है। तो संघ प्रमुख ने राजनीति को लोकतंत्र में आवश्यक बताते हुए भी यह कहा है कि उसमें कैसे व्यवहार हों लेकिन हमारी भूमिका उससे अलग है। चुनाव को प्रजातंत्र की आवश्यक प्रक्रिया बताते हुए वे कहते हैं कि उसमें दो पक्ष रहते हैं, इसलिए स्पर्धा रहती है। स्पर्धा रहती है तो दूसरे को पीछे करने और स्वयं को आगे बढ़ने का काम होता ही है . परंतु उसमें भी एक मर्यादा है। असत्य का उपयोग नहीं करना। चुने हुए लोग संसद में बैठकर देश को चलाएंगे, सहमति बनाकर चलाएंगे। तो भागवत का देश के लिए दिशा यही है कि चुनाव में आवेश हुआ , गुस्सा हुआ, सब कुछ हुआ लेकिन अब सत्ता और विरोधी की जगह सबको देश चलाना है इसलिए सहमति बनाकर आगे काम होना चाहिए। वे कहते हैं कि हमारे यहां तो परंपरा सहमति बनाकर चलने की हैसमानो मंत्र: समिति: समानी। समानम मनः सह चित्तमेषाम। यह सच है कि ऋग्वेदकारों को मानवी मन का ज्ञान था। सब जगह उन्होंने 'सम' कहा है (समानो मंत्रः समिति समानी समानम मनः), लेकिन चित्त के बारे में सम नहीं कहा, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का चित्त, मानस अलग-अलग होता ही है। इसलिए 100 प्रतिशत मतों का मिलान होना संभव नहीं है। लेकिन जब चित्त अलग-अलग होने के बाद भी एक साथ चलने का निश्चय करते हैं तो सह चित्त बन जाता है।

वे संसद में दो पक्षों को भी आवश्यक इसलिए मानते हैं क्योंकि उनके अनुसार किसी भी प्रश्न के दो पहलू रहते हैं और दोनों सामने आने के बाद ही पूर्णता होती है। चूंकि राजनीति में स्पर्धा होती है इसलिए ऐसी पूर्णता नहीं हो पाती । यही आज की राजनीति का सच है जिसके बारे में मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा है कि स्पर्धा होने के कारण असत्य का सहारा लिया जाता है ,तकनीकी का उपयोग करते हुए असत्य बाती पड़ोसी गई। इस संदर्भ में मोहन भागवत का यह प्रश्न उचित है कि क्या ज्ञान -विज्ञान एवं विद्या का यही उपयोग है? कायदे से इस प्रश्न पर देश में बहस होनी चाहिए । मोहन भागवत की बातों को स्वीकार करें तो संघ की कल्पना है कि देश के राजनेताओं को स्पर्धा रखते हुए भी असत्य के आधार पर राजनीति और चुनाव नहीं करना चाहिए । सबको देश का ध्यान रखना चाहिए । उन्होंने कहा कि सज्जन विद्या का ये उपयोग नहीं करते। विद्या विवादाय ये खलस्य यानी दुर्जन का काम कहा गया हैविद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय। खलस्य साधोर विपरीतमेतद ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।। विद्या का उपयोग प्रबोधन करने के लिए होता है, लेकिन आधुनिक विद्या (टेक्नोलॉजी) का उपयोग असत्य परोसने के लिए किया गया।

उनकी चिंता है कि देश के शीर्ष राजनेता इस तरह का व्यवहार करेंगे तो देश का भला नहीं हो सकता है। इसी में विरोधी को प्रतिपक्ष कहने की बात करते हैं क्योंकि उनके अनुसार वह विषय का एक पहलू उजागर करते हैं जिनका विचार होना चाहिए। सच कहा जाए तो उनका देश की सभी पार्टियों के राजनेताओं से अपील है कि चुनाव खत्म हो गया जिसमें मर्यादा का पालन नहीं हुआ। किंतु देश के सामने चुनौतियां हैं और उनके लिए सबको सत्य और एक दूसरे को धक्का देने की प्रतिस्पर्धा से बाहर निकाल कर समान मन से काम करना चाहिए। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष के विचारों का सम्मान करें और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष का। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में भारत के विकास की भी चर्चा की है और कहा है कि आधुनिक दुनिया जिन मानकों को मानती है, जिनके आधार पर आर्थिक स्थिति का मापन किया जाता है उनके अनुसार भी हमारी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी हो रही है। हमारी सामरिक स्थिति निश्चित रूप से पहले से अधिक अच्छी है। दुनियाभर में हमारे देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। कला क्षेत्र में, क्रीडा क्षेत्र में, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में, संस्कृति के क्षेत्र में हम सब लोग विश्व के सामने आगे बढ़ रहे हैं।

विश्व के प्रगत देशों ने भी हमको धीरे-धीरे मानना शुरू किया है। जो कहते हैं कि भागवत ने केवल मोदी और उनकी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है उन्हें भाषण का यह पक्ष भी ध्यान रखना चाहिए। एक समय शांत होता दिख रहा मणिपुर में फिर से अशांति आई तो इस पर चिंता प्रकट करना वहां शांति स्थापना की अपील है। उनका यही मत है कि सबको ऐसे विषयों को प्राथमिकता में लेकर मिलजुल कर शांति स्थापना के लिए काम करना चाहिए । राजनीतिक विचारधारा से परे हटकर पूरे भाषण को देखें तो इसमें भारत के वर्तमान और भविष्य की चिंता तथा उसके लिए समाज के नीचे से ऊपर तक के व्यक्तियों जिनमें नीति निर्माण करने और उसके लिए दबाव बनाने वाले शामिल हैं, के भी आदर्श और मर्यादित व्यवहार का सूत्र निहित है। यह केवल राजनीति नहीं समाज के हर सक्रिय पक्ष के लिए है। आप संघ के विरोधी हों या समर्थक उनके पूरे भाषण को सुना और शांत मन से मनन किया जाएगा तो हमें आपको कोई विरोधी या शत्रु सहसा नजर नहीं आएगा तथा सबके अंदर देश के लिए संकुचित स्वार्थ से परे हटकर मिलजुल कर काम करने की भावना सशक्त होगी।

नजरिया

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

ललित गर्ग
मो.:9811051133

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए।

यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं।

सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

लेने जा रहे हैं 'योगा मैट' तो इन बातों का रखें खास ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगाभ्यास करने के लिए चटाई या किसी नरम आसन का उपयोग करना चाहिए। कुछ वर्षों से 'योगा मैट' का चलन बढ़ गया है, जो आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। डेढ़ दशक पहले पीवीसी से निर्मित योगा मैट ज्यादा प्रयुक्त होती थीं। वे कुछ ही रंगों में मिलती थीं। अब बाजार में कई रंगों और विशेषताओं से युक्त 'योगा मैट' मिलती हैं। एक अच्छी योगा मैट में कौनसी खूबियां होनी चाहिएं,

यहां जानिए ...

- योगा मैट की मोटाई काफी मायने रखती है। अगर यह बहुत पतली होगी तो कुछ खास आसनों के दौरान घुटना चोटिल हो सकता है। वहीं, ज्यादा मोटी योगा मैट पर खड़े रहते हुए संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है। मानक योगा मैट लगभग 1/8 इंच मोटी होती है। सबसे मोटी लगभग 1/4 इंच की होती है। इसके अलावा 1/16 इंच वाली वेफ़र-थिन योगा मैट भी होती है।
- जब योगा मैट खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें कि उसे रखने के लिए कितनी जगह है, पोर्टेबिलिटी कितनी चाहिए और जब उसे फर्श पर बिछाएं तो योगाभ्यास करते हुए कितने सहज हैं? बहुत ज्यादा मोटी या बहुत पतली योगा मैट पर योगाभ्यास करने में दिक्कतें आ सकती हैं।
- ज्यादातर मानक योगा मैट पीवीसी से बनी होती हैं। नए और ज्यादा अर्थ-फ्रेंडली विकल्पों में प्राकृतिक और रिसाइकल्ड रबर, जूट और ऑर्गेनिक कॉटन या नेचरल कॉटन शामिल हैं। अगर आपको लेटेक्स से एलर्जी है तो प्राकृतिक रबर से बनी योगा मैट के बजाय दूसरा विकल्प चुनें।
- अगर आप अधिक आजमाए हुए विकल्पों में से चुनना चाहते हैं तो पीवीसी से बनी योगा मैट लें, जिसे ठीक तरह से संभाल कर रखेंगे तो कई वर्षों तक चलेगी। लचीलेपन की बात करें तो विभिन्न सामग्रियों के मिश्रण से अंतर आ सकता है। सामान्य रूप से, पीवीसी में किसी भी योगा मैट सामग्री की तुलना में सबसे अधिक लचीलापन होता है। वहीं, जूट और कपास में सबसे कम होता है।
- योगा मैट की सतह की ओर ध्यान देना जरूरी है। अगर पहली बार योगाभ्यास कर रहे हैं तो ज्यादा खुरदरी और 'ऊबड़-खाबड़' बनावट वाली योगा मैट लेने से बचें। चूंकि ऐसे कई आसन हैं, जो इस मैट पर करेंगे तो ठीक तरह से अभ्यास नहीं कर पाएंगे। ऐसे उभरे हुए पैटर्न वाली योग मैट उन लोगों के लिए ठीक रहती है, जिन्हें कई वर्षों का अभ्यास हो। जूट से बनी योगा मैट काफी खुरदरी होती है, जबकि पीवीसी निर्मित मैट नरम होती है।
- योगा मैट की कई खूबियों में से एक है- इसका रंग। हरी, नीली, आसमानी, हल्की गुलाबी, पीली और फूल-पत्तियों जैसी आभा वाली योगा मैट से मन को प्रसन्नता मिलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए ही योगा मैट लेनी चाहिए।

'दुनिया को भारत का सबसे बड़ा उपहार है योग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आज योग की शक्ति से लोगों के तन और मन का स्वास्थ्य तो अच्छा हो ही रहा है, कई देशों के पर्यटन में भी यह बड़ा योगदान दे रहा है। अगर विदेश की बात करें तो नॉर्वे इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। नॉर्वे में सुंदर प्राकृतिक दृश्य, अच्छी धूप, सांस्कृतिक जुड़ाव तथा जीवन में संतुलन पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण योग की लोकप्रियता बढ़ रही है। वहां शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में योगाभ्यास करने वालों की संख्या बढ़ रही है।

दक्षिणी नॉर्वे के फ़ार्सुंड शहर में साल 2015 में एक योग स्टूडियो खुलने के बाद पर्यटक भी वहां जाकर योग सीखने लगे हैं। यही नहीं, योग से नॉर्वे में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। लोगों ने फोटोग्राफी संबंधी कार्यों के साथ योग को शामिल किया है।

इसके अलावा, नॉर्वे में पर्यटकों के लिए योग और ध्यान शिविरों को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में कई वेबसाइटें बनाई गई हैं। इससे वेबसाइट के निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। ऐसे कई ऐप आ गए हैं, जिन्होंने मोबाइल पर योग कक्षाओं को अधिक सुलभ बना दिया है। सोशल मीडिया ने भी योगाभ्यास को नए आयाम दिए हैं। नॉर्वे में उन सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों की संख्या बढ़ रही है, जो योग में रुचि रखते हैं। हाल में भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर ने योग को दुनिया को भारत का सबसे बड़ा उपहार बताया था। उन्होंने योगाभ्यास करते हुए वीडियो और तस्वीरें भी साझा किए थे।

देर रात तक नहीं आती नींद? ये योगासन अनिद्रा दूर करने में बड़े असरदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दिनचर्या में बदलाव, तनाव, अवसाद और स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी के कारण कई लोगों को अनिद्रा की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्राय: लोग शिकायत करते हैं कि उन्हें रात 2 बजे तक नींद नहीं आती। इसके बाद जब नींद लेने की कोशिश करते हैं तो मुश्किल से सो पाते हैं और अगले दिन देर से उठते हैं।

इससे पढ़ाई या कामकाज पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते। अक्सर उन लोगों को दोपहर का भोजन करते ही नींद आने लगती है। अगर उस समय स्कूल, कॉलेज या कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहे हों अथवा दफ्तर में काम कर रहे हों तो उसमें मन नहीं लगता। बस, यह इच्छा होती है कि एक-दो घंटे सोने के लिए जगह मिल जाए।

पश्चिमी देशों में तो कुछ कंपनियों ने ऐसे लोगों के लिए विशेष प्रबंध करने शुरू कर दिए हैं। वे दफ्तर में कुछ समय के लिए झपकी ले सकते हैं। हालांकि इस व्यवस्था पर विवाद भी हो चुके हैं। यह देखा गया है कि कुछ लोग एक घंटा आराम करने के लिए गए और चार घंटे बाद लौटे। इससे कामकाज प्रभावित हुआ और रातभर अनिद्रा की स्थिति का सामना करना पड़ा।

विशेषज्ञों का कहना है कि योग इस समस्या से निजात दिला सकता है। नींद को मापते समय, शोधकर्ता संबंधित व्यक्ति के सो जाने और सोते रहने की क्षमता को देखते हैं। अनिद्रा इनमें से एक या दोनों पहलुओं को प्रभावित कर सकती है। लोग कितनी जल्दी सो पाते हैं और कितनी गहरी नींद में रहते हैं – योग से दोनों में सुधार देखा गया है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि योगनिद्रा विशेष रूप से नींद लेने से संबंधित समस्याओं के समाधान में सहायक है। हार्वर्ड हैल्थ के अनुसार, योग आपके दिन को शांत रखने का एक सौम्य और आरामदेह तरीका है। एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में कहा गया है कि योग करने वाले 55 प्रतिशत से ज़्यादा लोगों ने पाया कि इससे उन्हें बेहतर नींद लेने में मदद मिली। 85 प्रतिशत से ज़्यादा लोगों ने कहा कि योग तनाव को कम करने में मदद करता है। योग के दौरान सांस लेना अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। योग के साधकों ने अनुभव किया कि उज्ज्यी प्राणायाम अनिद्रा पर विजय पाने में सहायक सिद्ध होता है। इसके अलावा बालासन, उत्तानासन, अर्ध उत्तानासन, सुप्त बद्ध कोणासन, विपरीत करणी और शवासन कुछ ऐसे आसन हैं, जो अनिद्रा की समस्या को दूर कर सकते हैं।

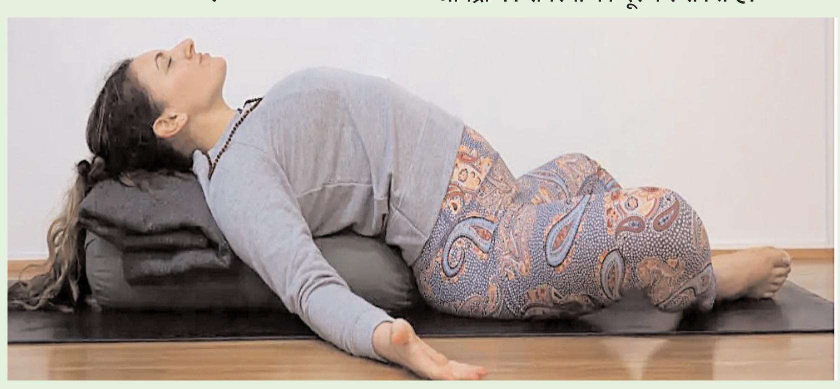

विपरीत करणी: चुटकियों में थकान होगी दूर, शरीर को मिलेगा बहुत आराम

जितनी सरल, उतनी ही ज्यादा बलदायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शरीर को आराम देने के कई आसनों और मुद्राओं में विपरीत करणी को बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। यह जितनी सरल नजर आती है, उतनी ही ज्यादा बलदायक भी है। इसमें ज्यादा लचीलेपन की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए थोड़े-से अभ्यास के बाद इसमें निपुण हो सकते हैं।

कैसे करें विपरीत करणी?

- सबसे पहले फर्श पर दीवार के पास चटाई या योगा मैट बिछाएं। अगर ये उपलब्ध न हों तो कंबल या दरी आदि काम में ले सकते हैं।
- अब मैट पर इस तरह बैठें कि दीवार आपके बाएं हाथ की तरफ हो।
- अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं तथा दाईं करवट पर लेटें।
- अब करवट बदलें, पीठ के बल हों और घुटने मोड़ते हुए छाती से मिलाएं।
- पैरों को सीधे ऊपर की ओर ले जाएं। जांघें, पिंडली और एड़ियां दीवार से लगा लें।
- इस मुद्रा को शुरुआत में कम अवधि के लिए करें। फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं।

इन बातों का रखें ध्यान

- योगाभ्यास के दौरान जल्दबाजी न करें।
- पीठ को झटका न लगे।
- जिन्हें पीठ का गंभीर रोग है या ऑपरेशन कराया है, वे लोग इसे न करें।
- नियमित रूप से गहरी सांस लेना जारी रखें।
- जिन्हें चक्कर महसूस हो, वे भी इसका अभ्यास न करें।
- गर्भावस्था में इसे करना वर्जित है।
- शरीर के किसी हिस्से में गंभीर चोट लगी हो, बड़ा घाव हुआ हो तो उसके पूरी तरह ठीक होने के बाद ही अभ्यास करना चाहिए।

बता दें कि विपरीत करणी से पीठ के खिंचाव-तनाव दूर होते हैं। इससे पाचन क्रिया में सुधार आता है। इसे करने के बाद शरीर को बहुत आराम महसूस होता है। यह रक्त संचार के लिए लाभदायक है।

पुतिन उत्तर कोरिया की दो दिवसीय यात्रा के दौरान किम से करेंगे मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर उत्तर कोरिया पहुंचेंगे। यह 24 वर्षों में पुतिन की उत्तर कोरिया की पहली यात्रा होगी। यह घोषणा दोनों देशों ने की।

उम्मीद है कि पुतिन उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता सैन्य सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होगी। दोनों देश अमेरिका के साथ अपने अलग-अलग मतभेदों के मद्देनजर अपने गठबंधन को और मजबूत कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि पुतिन किम के निमंत्रण पर मंगलवार और बुधवार को राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस बारे में तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं दी। साथ ही रूस ने भी इस यात्रा की पुष्टि की।

यह यात्रा एक हथियार समझौते के बारे में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंताओं के बीच हो रही है, जिसके तहत प्योंगयांग आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में मास्को को आवश्यक हथियार उपलब्ध करा रहा है, जिसकी यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत जरूरत है।

हालांकि उत्तर कोरिया को आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से किम के परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे में वृद्धि होगी। किम ने गत सितंबर में पुतिन के साथ बैठक के लिए रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा की थी जिसके बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य, आर्थिक और अन्य सहयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। दोनों नेताओं के बीच हुई यह बैठक 2019 के बाद उनकी पहली बैठक थी।

अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने उत्तर कोरिया पर आरोप लगाया है कि वह रूस को गोला बारूद, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरण मुहैया करा रहा है ताकि यूक्रेन में उसकी लड़ाई को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि प्योंगयांग और मॉस्को दोनों ने उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों के हस्तांतरण के आरोपों से इनकार किया है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन होगा।

उत्तर कोरिया के साथ किसी भी प्रकार का हथियार व्यापार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अनेक प्रस्तावों का उल्लंघन होगा, जिनका समर्थन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य रूस ने पहले भी किया था।

सियोल स्थित कूकमिन विश्वविद्यालय में उत्तर कोरिया के विशेषज्ञ आंद्रेई लांकोव ने कहा कि गोला बारूद और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल उपलब्ध कराने के बदले में प्योंगयांग को मास्को से उच्च स्तरीय हथियार मिलने की उम्मीद है।

लैंकोव ने कहा कि रूस भले ही उत्तर कोरिया के साथ अपनी अत्याधुनिक सैन्य तकनीक साझा करने में अनिच्छुक हो, लेकिन वह प्योंगयांग से गोला-बारूद प्राप्त करने के लिए उत्सुक है।

लैंकोव ने कहा, युद्ध में गोला-बारूद कभी भी पर्याप्त नहीं होता, बल्कि इसकी बहुत मांग होती है।

पुतिन ने अपने पहले चुनाव के कुछ महीनों बाद पहली बार जुलाई 2000 में प्योंगयांग की यात्रा की थी। तब उन्होंने किम के पिता और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग इल से मुलाकात की थी।

मॉस्को ने कहा है कि वह यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई के लिए प्योंगयांग के समर्थन की बहुत सराहना करता है और संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपने घनिष्ठ और उपयोगी सहयोग का उल्लेख किया।

अजीत डोभाल ने अमेरिका के एनएसए सुलिवन से विस्तृत चर्चा की

नयी दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सोमवार को अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ विस्तृत चर्चा की और इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से महत्वाकांक्षी 'महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भारत-अमेरिका पहल' (आईसीईटी) के क्रियान्वयन, द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया।

सुलिवन 17 से 18 जून तक दिल्ली की यात्रा पर हैं, जो मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी की पहली भारत यात्रा है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सुलिवन के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें अमेरिका के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उद्योग जगत के दिग्गज शामिल हैं।

ऐसी जानकारी मिली है कि दोनों देशों के एनएसए ने प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर भी विचार-विमर्श किया, जिसकी शुरुआत में पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर देरी हो रही है।

सुलिवन की भारत यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई संक्षिप्त बातचीत के तीन दिन बाद हुई है।

बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। उनके प्रधानमंत्री मोदी से भी मिलने की उम्मीद है।

जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज सुबह नयी दिल्ली में अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी हमारे नए कार्यकाल में मजबूती से आगे बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मई 2022 में टोक्यो में क्वाड सम्मेलन से इतर 'आईसीईटी' की शुरुआत की थी।

आखिर क्यों 7 साल तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहीं जया भट्टाचार्य?

मुंबई/एजेन्सी

जया भट्टाचार्य टीवी इंडस्ट्री का मशहूर चेहरा हैं। उन्होंने कई नेगेटिव रोल्स निभाए हैं। वह अब तक कई बड़े सीरियल में नजर आ चुकी हैं। इतना नाम-शोहरत हासिल करने के बाद भी वह 7 साल तक बेरोजगार रहीं। वह अब हाल ही में लॉन्च हुए शो 'छठी मैया की बिटिया' में नजर आ रही हैं। वह कार्तिक (एक्टर आशीष दीक्षित) की सौतेली मां उर्मिला का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने 'देवदास' से लेकर 'मिमी' जैसी फिल्मों और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'थपकी प्यार की' जैसे टीवी शोज में काम किया है। एक्ट्रेस ने कहा, ऐसा लगता है जैसे मेरे माथे पर 'नेगेटिव' शब्द लिख दिया गया है। मुझे अपने करियर में अब तक ज्यादातर नेगेटिव रोल ऑफर किए गए हैं। पहला नेगेटिव किरदार जो मैंने निभाया और वह मशहूर हुआ, वो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की पायल का था। लोगों को लगता था कि मैं कोई और रोल नहीं कर सकती।'' जया ने कहा, ''इस वजह से मैंने सात साल तक काम नहीं किया। मुझे अपने टैलेंट पर शक होने लगा। मैंने खुद से सवाल किया कि मैं एक्टर हूं या नहीं। क्या लोगों को नहीं लगता कि मैं दूसरे किरदार भी निभा सकती हूं? इसलिए मैंने सात साल तक काम नहीं करने का फैसला किया। मैं सिर्फ नेगेटिव किरदार नहीं निभाना चाहता थी, मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती थी जो एक कलाकार को संतुष्ट महसूस करे।'' जया ने आगे कहा कि अगर एक जैसे किरदार बार-बार दिए जाते हैं, तो कलाकार ऊब जाता है। इसमें नया करने के लिए कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा, अगर पूरी तरह से अलग किरदार नहीं तो कलाकार को नेगेटिव रोल्स में ही एक्सपेरिमेंट करने की छूट मिलनी चाहिए। जब वैरायटी पेश की जाती है, तभी किरदार जाना जाता है और दर्शकों के बीच अपनी जगह बना पाता है।'' 'छठी मैया की बिटिया' शो एक दिल को छू लेने वाला फैमिली सीरियल है। इसमें वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) एक अनाथ लड़की है और वह छठी मैय्या (एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी) को अपनी मां के रूप में मानती है। इस शो में सारा खान भी हैं। यह शो सन नियो पर प्रसारित होता है। बता दें कि जया असम की रहने वाली हैं। उन्हें पिछली बार टीवी शो 'थपकी प्यार की' में देखा गया था। वह 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कसम से', 'पलछिन', 'अंबर धारा', 'केसर', 'हातिम' और 'कोशिश एक आशा', 'विरासत', 'वो रहने वाली महलों की', 'झांसी की रानी', 'एक थी नायका', 'देवों के देव महादेव', 'मधुबाला' जैसे शोज की हिस्सा रह चुकी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 18-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय माहेश्वरी सभा ने अपनी स्थापना के 50वें वर्ष व 5157वें वंशोत्पति दिवस महेश नवमी का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया।

वरिष्ठ सदस्य, विशिष्ट प्रतिभा व सरस्वती सम्मान से सम्मानित हुए अनेक जन

महेश नवमी पर माहेश्वरी सभा ने आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिताएं ■ वंशोत्पति दिवस पर 63 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा ने अपनी स्थापना के 50वें वर्ष व 5157वें वंशोत्पति दिवस महेश नवमी का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया। माहेश्वरी सभा कार्यसमिति सदस्य राजीव समरिया, माहेश्वरी सभा संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी, माहेश्वरी युवा संघ अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट कोषाध्यक्ष भगवान बलदावा, माहेश्वरी फाउण्डेशन चेयरमेन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालु, वरिष्ठ सदस्य जयकिशन झांवर एवम सभा पूर्वाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा ने भगवान महेश की पूजा, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष नवल मालू से सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारा गौरव है, आधुनिक सोच और परिस्थितियों के कारण बहुत बदलाव आ रहे है हमे ध्यान देकर हमारे संस्कार और संस्कृति को बचाना चाहिए।

इस मौके पर विभिन्न वर्ग के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर हरिनारायण-सरलादेवी अट्टल, इंदरचंद-सुशीलदेवी बागड़ी और नंदकिशोर-सावित्रीदेवी मालू का सम्मान किया। विशिष्ट उपलब्धि सम्मान के अंतर्गत वैष्णवी गिल्ड को कराटे एवं तैराकी में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक एवं विभिन्न पुरस्कार पाने के लिए, ऋदीत डांगरा को राष्ट्रीय स्तर पर कर्नाटक प्रदेश फुटबॉल टीम के उप कप्तान नियुक्त होने के लिए, गरिमा जाजू को ताइक्वांडो में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने पर तथा दिसाना पच्चीसिया को गाला डे नमक पुस्तक के प्रकाशन के लिए इंडियाज बेस्ट सेलिंग चाइल्ड ऑथर उपाधि प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रतीक पलोड़, मनीषा पलोड़, श्रुतिका रांदड सहित 20 बच्चों ने भगवान कृष्ण के जन्म पर भगवान भोलेनाथ जोगी का वेश धरकर नाट्य रूप में प्रस्तुत किया। कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के कुल 205 मेधावी छात्र छात्राओं को सरस्वती पुरुस्कार से सम्मानित किया। महेश नवमी के उपलक्ष में माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन ने अपोलो हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया,जिसमें 63 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यसमिति सदस्य मुकेश चितलांगिया ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन वृंदा बागड़ी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्री खाटू श्याम जी मंदिर, बेंगलूरु के जेष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी सोमवार को बाबा खाटू श्याम जी के मनोरम दर्शन।

गायत्री चेतना केन्द्र पर गंगा दशहरा पर आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गायत्री चेतना केंद्र के अस्थानीय इकाई द्वारा रविवार को पूर्ण श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ गायत्री जयंती समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर 24 घंटे के सामूहिक अखंड गायत्री मंत्र जप की पूर्णाहुति गायत्री यज्ञ के साथ संपन्न हुई।

आज ही के दिन गुरुदेव आचार्यजी के महाप्रयाण दिवस एक संयोग ही है, इस दिन मां गंगा और आद्यशक्ति गायत्री का धरती पर अवतरण हुआ था। गंगा दशहरा पर्व का शुभारंभ प्रज्ञा गीत के साथ हुआ। यज्ञीय कार्यक्रम का संचालन रीता रजक, सायू बड़गोती, शिवांगी मिश्रा व श्वेता श्रीवास्तव ने वैदिक मंत्रों के साथ एवं प्रज्ञा गीत संगीत के द्वारा किया।

गुरुदेव के दर्शन पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक अमिताभ सराफ ने गायत्री महामंत्र की व्याख्या की और बताया कि गायत्री त्रिपदा है।

उसकी उपासना, साधना, आराधना का अवलंबन लेकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक कर सकता है। गायत्री की तीन शक्तियों ह्रीं-श्रीं-क्लीं जो साधक को सद्बुद्धि, धन, वैभव, ईश्वर और अच्छा स्वास्थ्य, पराक्रम, साहस जैसी अनमोल संपदा को प्राप्त करने में सहायक है।यज्ञ वातावरण में संस्कारों की परंपरा के अंतर्गत दस पुंसवन संस्कार, तीन यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार, दो जन्म दिवस संस्कार दो विद्यारंभ संस्कार एक अन्नप्राशन संस्कार संपन्न हुए। जिसे आचार्य कमलेश खरे और अश्विनी कटरे ने संस्कारों का महत्व बताते हुए संपन्न कराए।

यज्ञ की श्रृंखला में सभी परिजनों ने गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां तेरा तुझको अर्पण के भाव से यज्ञ भगवान को समर्पित की। सभी को श्रीराम शर्मा आचार्य जी एवं माता भगवती देवी शर्मा जी मां गंगा, मां गायत्री और गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

'खागा क्रिकेट हीरा कप' का हुआ आगाज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन खागा द्वारा आयोजित 2024 हीरा कप बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का एक होटल में आगाज हुआ। इस बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में दस टीमें भाग लेंगी, सभी मुकाबले तीस जून को मागडी रोड़ स्थित जीटी मॉल ग्राउंड पर खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट के मुख्य सहयोगी हीरा एक्सपोर्ट्स है। कार्यक्रम में टीम के कप्तानों को जर्सी वितरण की गई। खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक उगमराज खांटेड ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। सचिव कैलाश बालर ने आयोजित इस खेल कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली टीमों का हौंसला बढ़ाते हुए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के अवसर पर कोषाध्यक्ष गिरधारीलाल राजपुरोहित, उपाध्यक्ष पदमसिंह राजपुरोहित,सहसचिव बिशनसिंह विराणा, सिद्धार्थ जैन, जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्ञनराज मेहता, दिलीप जैन, डुंगरमल चौपड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

तेरापंथ सभा दासरहल्ली व तेयुप की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ग्रहण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा ट्रस्ट दासरहल्ली से नवमनोनीत अध्यक्ष भगवतीलाल माण्डोत एवं तेरापंथ युवक परिषद के नवमनोनीत अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी ने जैन संस्कार विधि से दायित्वबोध ग्रहण किया । श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन माण्डोत ने किया। तत्पश्चात संस्कारक विकास बांठिया एवं सह-संस्कारक दिलीप पितलिया ने विधिपूर्वक दायित्वबोध ग्रहण करवाया। तत्पश्चात संस्थापक अध्यक्ष लादुलाल बाबेल, गाँधीनगर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, तुलसी निकेतन उदयपुर के अध्यक्ष सुरेश दक ने नवमनोनीत सभा ट्रस्ट अध्यक्ष को शपथ ग्रहण करवाई। नवमनोनीत सभाध्यक्ष ने अपनी कार्यकारणी की घोषणा करते हुए संरक्षक लादुलाल बाबेल, परामर्शक लोकेश बोहरा, प्रकाश गाँधी, उपाध्यक्ष मनोहरलाल बोहरा व विनोदजी मेहर, मंत्री प्रवीण बोहरा, सहमंत्री सुरेंद्र मेहर व विजय पितलिया, कोषाध्यक्ष रमेश बाबेल, संगठन मंत्री मनोज मेहता, प्रचार प्रसार हेमन्त गिलूण्डिया के साथ कार्यकारणी सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई गई।

तेयुप के नवमनोनीत अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी को निवर्तमान अध्यक्ष देवीलाल गाँधी, पवन माण्डोत, दिनेश पोखरणा गौतम खाब्या ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवमनोनीत तेयुप अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारणी की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष अनिल गादिया व अशोक बोहरा, मंत्री शुभम बाबेल, सहमंत्री गौतम भटेवरा व पंकज बाबेल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीलाल गाँधी, संगठन मंत्री कमलेश भटेवरा प्रचार प्रसार निखिल बोहरा के साथ कार्यकारणी सदस्यों को शपथ ग्रहण कारवाई। इस अवसर पर गौतम मुथा, प्रकाश बाबेल, अशोक चौधर सहित अनेक सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। संचालन सभा मंत्री प्रवीण बोहरा एवं राकेश दक ने किया । तेयुप मंत्री शुभम बाबेल ने धन्यवाद दिया।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती। उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देश नहीं लेता।

हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है। मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है। इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी।

सम्मान : बाएं से पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र बीलवाल, वर्तमान अध्यक्ष कमलेश डीडवानिया, महिला अध्यक्ष एकता शर्मा नवहाल, समाज सेवी कुमारपाल सिसोदिया, सुंदरकांड वाचक शंभु पारीक का सम्मान किया गया।

खाण्डल विप्र महासभा की बेंगलूरु शाखा ने आयोजित किया सुन्दरकांड पाठ

बड़ी संख्या में उपस्थित थे विप्र समुदाय के लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतवर्षीय श्री खाण्डल विप्र महासभा की बेंगलूरु शाखा सभा के तत्वावधान में रविवार को संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन गोड़वाड़ जैन भवन में आयोजित किया गया। सबसे पहले शाखासभा के वर्तमान अध्यक्ष कमलेश डीडवानिया व पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र बील ने विधिवत ढंग से मंत्रोच्चार के साथ श्रीराम दरबार व हनुमानजी की पूजा की। शाखा सभा के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र बील, वर्तमान अध्यक्ष कमलेश डीडवानिया, सचिव हेमन्त परवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप रुंथला व महिला अध्यक्ष एकता शर्मा ने भगवान श्रीराम व हनुमान दरबार के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस सुन्दरकांड पाठ में शहर के जाने माने पंडित शंभुदयाल पारीक ने संगीतमय ढंग से सुन्दरकांड का पठन किया। सुन्दरकांड के पाठ के मध्य में स्वयं शंभु पारीक, निधि शर्मा, नवनीत शर्मा आदि सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति देते हुए माहौल को और धार्मिक बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान बेंगलूरु शाखा सभा के निवर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र बीलवाल का सम्मान सज्ञन शर्मा व मुकेश डीडवानिया ने, वर्तमान अध्यक्ष कमलेश डीडवानिया का सम्मान नरेश बढ़ाढरा व पवन जोशी ने, वर्तमान महिला अध्यक्ष एकता शर्मा का सम्मान कविता डीडवानिया व पूनम रुंथला ने शॉल व माला पहनाकर किया। इनके अलावा गोड़वाड़ भवन के अग्रणी कार्यकर्ता व शहर के वरिष्ठ समाजसेवी कुमारपाल सिसोदिया का सम्मान खाण्डल विप्र महासभा के संरक्षक श्रीकांत पाराशर, राकेश काछवाल व राजेश जोशी ने किया। सुन्दरकांड पाठ वाचक पंडित शंभु पारीक का सम्मान भागीरथ माटोलिया व महेश रुंथला ने किया। कार्यक्रम के आखिरी चरण में आरती व महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खांडल विप्र समुदाय के पुरुष व महिला उपस्थित थे।साथ ही विशिष्ट रूप से आमंत्रित कुछ अग्रणी विप्रजन भी पधारे। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री देवेन्द्र नवहाल ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com